संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 92
पृष्ठ 8
शुक्रवार
19 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में नहीं फटेंगे गाल, रात के....

विचार- साफ हवा में सांस लेने की आजादी...

खेल- ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दिखाया...

भारत-ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता

ओमान के बिजनेस फोरम से मोदी ने किया सीईपीए पर गजब का ऐलान

● प्रधानमंत्री ने भारत-ओमान संबंधों की सराहना की

ओमान, एजेंसी। मस्कट में इंडिया ओमान बिजनेस फोरम का मंच सामने दोनों देशों के कारोबारी दिग्गज और इसके सेंटर ऑफ अट्रैक्शन पीएम मोदी ही थे। यह बात सिर्फ व्यापार की नहीं थी बल्कि भारत के बदले हुए आर्थिक सोच, भरोसे और भविष्य की साझेदारी की थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि बीते 11 सालों में भारत ने केवल नीतियां नहीं बदली बल्कि अपनी पूरी आर्थिक सोच यानी इकोनॉमिक डीएनए को ही बदल दिया। प्रधानमंत्री ने बताया कि जिन सुधारों को कभी मुश्किल माना जाता था। आज वही भारत की सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। जीएसटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस एक फैसले ने पूरे देश को एक साझा बाजार में बदल दिया। वहीं दिवालियापन और ऋण शोधन अक्षमता कानून ने वित्तीय अनुशासन लाया। पारदर्शिता बढ़ाई गई और निवेशकों के मन में भरोसा पैदा किया गया। भारत की इकोनमी की रेंसि की चर्चा होती है। लोग अक्सर पूछते हैं कि दुनिया में इतनी अनिश्चितता है। ग्लोबल इकोनमी भी मुश्किलों में है। तो ऐसे में भारत 1: से अधिक की ग्रोथ कैसे अचीव कर रहा है? मैं आपको इसका बड़ा रीजन बताता हूं। असल में बीते 11 वर्षों के दौरान भारत ने सिर्फ पॉलिसी नहीं बदली है। भारत ने अपना इकोनॉमिक डीएनए बदला है। मोदी ने अरब सागर को दोनों देशों को जोड़ने वाला एक ऐतिहासिक पुल बताया और सदियों पुराने समुद्री और सांस्कृतिक संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मंडावी और मस्कट के बीच अरब सागर एक मजबूत पुल का काम करता है। इसने हमारे संबंधों को मजबूत किया है और संस्कृति व अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान की है। सीईपीए को एक महत्वपूर्ण निर्णय जिसे आने वाले समय में याद रखा जाएगा बताते हुए मोदी ने कहा कि यह समझौता 21वीं सदी में नया आत्मविश्वास और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। भारतीय छात्रों और समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और ओमान न केवल भौगोलिक रूप से बल्कि पीढ़ियों से एक-दूसरे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमारी विविधता हमारी संस्कृति की मजबूत नींव है। हर परंपरा अपने साथ नया विचार लेकर आती है हम भारतीय जहां भी जाते हैं, विविधता का सम्मान करते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय को सह-अस्तित्व और सहयोग का जीवंत उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि आप इन सदियों पुराने संबंधों के सबसे बड़े संरक्षक हैं। युवाओं को संदेश देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा बड़े सपने देखें, गहराई से सीखें और साहसपूर्वक कुछ नया करें। मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि भारत और ओमान इस वर्ष राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं, और इसे एक उत्सव के साथ-साथ गहरे सहयोग के लिए एक लॉन्चपैड भी बताया। प्रधानमंत्री सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर दो दिवसीय दौरे पर ओमान पहुंचे। जॉर्डन और इथियोपिया के बाद तीन देशों के अपने दौरे का यह अंतिम चरण है, जिसका उद्देश्य भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है, जिसमें आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों पर विशेष जोर दिया गया है।

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का शताब्दी महोत्सव, बोले सीएम योगी-

देश की सांस्कृतिक चेतना को दिशा देता रहेगा विश्वविद्यालय

लखनऊ, संवाददाता। अवस्थीजी कहां हैं? आप अकेले आई हैं? मुझे उन्होंने ही सुबह समारोह की सूचना दी और खुद गायब हो गए, वह भी अच्छे कलाकार हैं। सीएम योगी ने लखनऊ में लोक गायिका मालिनी अवस्थी से हुए इस संवाद के बारे में बताया तो पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। मौका था भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह का। सीएम योगी, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। समारोह में कथक नृत्यांगना पूर्णिमा पांडेय, मालिनी अवस्थी सहित चार पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुए उन्होंने लोक गायिका मालिनी अवस्थी से ये बातें पूछी थीं। फिर बाद में उन्होंने भाषण के दौरान सबको बताई। दरअसल, भातखंडे विश्वविद्यालय अपने 100 वर्ष की यात्रा को सेलिब्रेट कर रहा है। इस दौरान सीएम ने रिमोट से विश्वविद्यालय का 15 रुपए का डाक टिकट दिखाया। समारोह की विशिष्ट अतिथि मशहूर नृत्यांगना

पद्म विभूषण डॉक्टर सोनल मानसिंह रहीं। मुख्यमंत्री के अलावा मेयर सुषमा खर्कवाल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, डरू रामचंद्र प्रधान, एमएलसी अविनाश सिंह, एमएलए नीरज बोरा, प्रमुख सचिव अमृत अभिजात भी पहुंचे। बता दें कि मालिनी अवस्थी, पूर्व सीनियर आईएएस अवनीश अवस्थी की पत्नी हैं। पूर्व आईएएस, सीएम योगी के भरोसेमंद अधिकारी रह चुके हैं। सीएम योगी ने कहा 1940 में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस संस्थान को एक विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया। 1947 के बाद से 2017 तक लगातार सरकारें आती गईं, पर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। मुझे याद है कि एक दिन जब मैं तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक से मिलने गया तो उन्होंने कहा कि क्या भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय बनाया जा सकता है, तब मैंने उनसे कहा था कि मैं देखता हूं। आज यह विश्वविद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा-विवि ने इन 100 वर्षों में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया है।

सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा: गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोक सभा में बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने वालों को अब पुलिस से पूछताछ या अन्य किसी तरह की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ेगा और उन्हें पुरस्कृत भी किया जायेगा। श्री गडकरी ने प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में बताया कि सरकार ने ऐसे प्रावधान किये हैं जिससे सड़क दुर्घटना में

घायल होने वाले लोगों को चिकित्सीय सहायता देने या अस्पताल पहुंचाने वालों को अब पुलिस परेशान नहीं करेगी और वे किसी तरह के कानूनी पचड़े में भी नहीं पड़ेंगे। घायलों की मदद करने वालों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जायेगी। उन्होंने लोगों से सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने बताया कि घायलों के अस्पताल पहुंचने पर तुरंत उनका इलाज शुरू हो सके, इसके लिए अस्पतालों को तत्काल डेढ़ लाख रुपये तुरंत प्रतिपूर्ति के रूप में दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि देश में प्रति वर्ष पांच लाख सड़क दुर्घटनायें होती हैं, जिनमें करीब डेढ़ लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें अधिक युवा अधिक होते हैं। उन्होंने कहा कि इन दुर्घटनाओं में घायल होने वालों को यदि तत्काल चिकित्सीय मदद पहुंचायी जाये तो 50 हजार लोगों की जान बचायी जा सकती है। उन्होंने सांसदों से अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए जागरुकता अभियान चलाने की अपील की और उनसे सुझाव भी मांगे। केन्द्रीय मंत्री ने अध्यक्ष ओम बिरला से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में विचार-विमर्श करने के लिए सदन में चर्चा कराने की भी मांग की और कहा कि इससे देश भर के सांसदों के सुझाव लेकर बेहतर उपाय निकाले जा सकेंगे।

एमजीएनआरईजीए कुछ ही महीनों में खत्म हो जाएगी, यह गरीबों के खिलाफ

जी-राम-जी बिल पर बोलीं प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को लोकसभा में पारित वीबी-जी-राम-जी विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह विधेयक एमजीएनआरईजीए के भविष्य के लिए खतरा है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम इस विधेयक का विरोध करेंगे। इस विधेयक के साथ एमजीएनआरईजीए आने वाले महीनों में समाप्त हो जाएगा। जैसे ही राज्यों पर बोझ पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। यह विधेयक गरीबों के खिलाफ है। प्रियंका ने आगे चिंता व्यक्त की कि विधेयक के लागू होने से राज्य सरकारों पर अनावश्यक जिम्मेदारी आ जाएगी, जिससे देश भर के लाखों ग्रामीण परिवारों को सहारा देने वाली इस कल्याणकारी योजना को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि आप इसे किसी भी तरह से देखें, और कोई भी समझदार व्यक्ति यह समझ जाएगा, यह 100 से 125 दिनों की एक चालाकी भरी चाल है। अगर

कोई इस विधेयक को पढ़ेगा, तो उसे स्पष्ट हो जाएगा कि यह पूरी योजना आने वाले महीनों में समाप्त हो जाएगी। क्योंकि जैसे ही इतनी बड़ी रकम मुहैया कराने का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि विधेयक को बिना सहमति के पारित कराया गया। जिस तरह से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, उससे साफ है कि भाजपा के लोग और यह सरकार बापू से नफरत करती है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से अगले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बेकार हो जाएगी। द्रमुक सांसद कनिमोझि करुणानिधि ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से ग्रामीण भारत के खिलाफ है और अब केंद्र सरकार यह निर्णय लेगी कि किन लोगों और किन क्षेत्रों के लोगों को रोजगार देना है। उन्होंने कहा कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है। आज सुबह लोकसभा ने चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) को रोजगार गारंटी योजना के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है।

भाजपा का मिशन बंगाल! 29 और 30 दिसंबर को राज्य का दौरा करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 और 30 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। कोलकाता में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान, वे राज्य भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं से मुलाकात करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गृह मंत्री महत्वपूर्ण चुनावों से पहले पार्टी की संगठनात्मक क्षमता, बूथ स्तर की योजना और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय का आकलन करेंगे। पश्चिम बंगाल पर भाजपा के नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य में पार्टी की चुनावी रणनीति को मजबूत करने के प्रयासों को तेज करने के मद्देनजर यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। अपने दौरे के दौरान, पीएम मोदी नादिया जिले के ताहेरपुर में एक रैली को संबोधित करेंगे।

ममता बनर्जी ने केंद्र पर निशाना साधा, कहा - राज्य में गांधी के नाम पर रखेंगे रोजगार योजना का नाम

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 20 साल पुराने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-जी राम योजना करने के कदम को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। बनर्जी ने यहां आयोजित एक व्यापार और उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल ''हमारे राष्ट्रीय महापुरुषों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो वह हम करेंगे।'' हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा का नाम नहीं लिया। बनर्जी की ओर से यह घोषणा

ऐसे समय आयी जब लोकसभा ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पारित कर दिया जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। बनर्जी ने धन धान्य सभागार में आयोजित कारोबारी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे शर्म महसूस होती है कि उन्होंने मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है, क्योंकि मैं भी इसी देश की हूं। अब हम राष्ट्रपिता तक को भूला रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब हम अपने राज्य की 'कर्मश्री' योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे।'' 'कर्मश्री' योजना के तहत राज्य सरकार का दावा है कि लाभार्थियों को 75 दिनों तक काम उपलब्ध कराया जाता है, जबकि बनर्जी के अनुसार केंद्र सरकार ने मनरेगा के तहत धनराशि रोक रखी है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में 'कर्मश्री' योजना के तहत कार्यदिवसों की संख्या बढ़ाकर 100 करने का है। उन्होंने कहा, ''हमने 'कर्मश्री' के तहत पहले ही अपने संसाधनों से कई कार्यदिवस सृजित किए हैं। भले ही केंद्र की निधि रोक दी जाए, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं।

रेखा गुप्ता ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, प्रदूषण को लेकर कर दिया बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के आईएसबीटी (अंतरराज्यीय बस टर्मिनल) से नई इलेक्ट्रिक बसों और एक अंतरराज्यीय बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली-धारूहेरा नामक इस नई अंतरराज्यीय बस सेवा का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच संपर्क को मजबूत करना है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस सेवा को अंतरराज्यीय संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर तरीका इलेक्ट्रिक बसें हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि

आज हम दिल्ली-धारूहेरा मार्ग पर दिल्ली अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर रहे हैं... यह अपने आप में अंतरराज्यीय संपर्क के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है... और इसके साथ ही आज से सड़कों पर 100 नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ जाएंगी... प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर उपाय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने निजी वाहनों को छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। इसके अलावा, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार शहर में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने के लिए काम कर रही है और वर्तमान में 3400 इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में अगले साल तक और वृद्धि होने की उम्मीद है। गुप्ता ने घोषणा की कि सरकार की योजना पूरे बस बेड़े को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों से लैस करने की है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली सरकार के दौरान बंद की गई विश्वविद्यालय बस सेवा को फिर से शुरू कर दिया गया है।

लोकसभा में भारी हंगामे के बीच वीबी-जी-राम-जी विधेयक पारित

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के बीच विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी -जी राम-जी (विकसित भारत जी राम जी) विधेयक 2025 पारित किया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा का स्थान लेने वाले वीबी-जी-राम-जी विधेयक पर बुधवार मध्यरात्रि तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से महिला, युवा, गरीबों की जिंदगी बदलने का काम कर बापू के आदर्शों को जिंदा रखने का काम किया गया है। यह गरीबों

की जिंदगी बदलेगा और आदर्श ग्राम की स्थापना करेगा जिसमें लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उनकी पहुंच में होगी। उन्होंने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं। बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं। पूरा देश हमारे लिए एक है। हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है। कांग्रेस ने मनरेगा को पूरी तरह से भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहती है। उन्होंने कहा कि असल मायने में मनरेगा के फंड का दुरुपयोग किया गया है। दूसरी तरफ हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से किसानों और गरीबों का कल्याण होगा। उन्होंने कहा कि नरेगा को महात्मा गांधी के नाम के साथ शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने 2009 के चुनावों से पहले वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा था। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) ने अपने कार्यकाल में इस पर सिर्फ 2.13 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जबकि मोदी सरकार ने 2014 से इस पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं। उन्होंने कहा कि पहले इसमें भ्रष्टाचार था लेकिन मोदी सरकार ने इसे भ्रष्टाचार मुक्त बनाया है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अपनी मर्जी से योजनाओं के नाम बदल देती है। इस आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों के नाम पर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों की सूची गिना दी और तर्क दिया कि कांग्रेस का राजनीतिक फायदे के लिए नाम जोड़ने का लंबा इतिहास रहा है।

प्रयागराज में घने कोहरे से ढका शहर

मौसम विज्ञानी बोले- 22 दिसंबर तक घना कोहरा रहेगा, त्रिवेणी व गरीब रथ ट्रेन निरस्त रहीं

प्रयागराज (संवाददाता)। संगमनगरी प्रयागराज में आज गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गलन से लोग ठिठुरते दिख रहे हैं। कड़ाके की ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देर रात से ही कोहरा दिखने लगा। पूरा शहर कोहरे की चादर से ढका दिखा। बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

सुबह और रात के समय सर्द हवाओं के चलते ठिठुरन बढ़ गई है। ठंड के असर से आम जनजीवन के साथ–साथ कारोबार और यातायात भी प्रभावित हो रहा है। घने कोहरे को देखते हुए रेलवे ने गरीब रथ और त्रिवेणी एक्सप्रेस को बुधवार के लिए निरस्त कर दिया था। इसी तरह अकासा एयर की मुंबई की उड़ान भी निरस्त रही।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी प्रो. शैलेंद्र रॉय बताते हैं कि 18 से 22 दिसंबर तक पूरे प्रदेश में घने कोहरे बने रहने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में और गिरावट भी बनी रहेगी। उन्होंने कहा, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर पूरे प्रदेश में दिख रहा है।

उत्तर–पश्चिमी हवाओं के कारण ठंड में इजाफा हुआ है। न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। सुबह के समय हल्का कोहरा छाए रहने से दृश्यता कम हो रही है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर गाड़ियों व रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की रफ्तार थम गई है। इससे ट्रेनें घंटों देरी से अपने गंतव्य स्टेशनों तक पहुंच रही हैं।

ठंड बढ़ने के साथ ही लोग अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। मॉल व दुकानों में लोग गर्म कपड़े खरीदते दिख रहे हैं। जबकि ठंड से बचने के लिए लोग हीटर व ब्लोवर भी ले रहे हैं। शहर के चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर लोग अलाव तापते नजर आ रहे हैं।

ठंड का असर स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है। सर्दी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ने की उम्मीद है। डॉक्टरों ने बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। चिकित्सकों का कहना है कि ठंड में गर्म कपड़े पहनें, गर्म भोजन करें और ठंडी हवा से बचाव करें।

5 लाख सब्सक्राइबर होने पर 5 हजार छात्रों का भंडारा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एक कोचिंग (सुपर क्लाइमेक्स एकेडेमी) सेंटर के यूट्यूब चौनल पर 5 लाख सब्सक्राइबर हो गए हैं। इसकी खुशी में कोचिंग संचालकन ने भव्य भंडारे का आयोजन किया। इसमें 5 हजार से ज्यादा छात्र पहुंच गए। भंडारे में पूड़ी–सब्जी खाने के लिए छात्रों की लाइन लगवानी पड़ी। देखते ही देखते छात्रों की लाइन डेढ़ किलोमटर लंबी होती चली गई। बुधवार की शाम को कोचिंग सेंटर से हेलीकॉप्टर चौराहे तक लंबी लाइन को संभालने के लिए छात्रों को चार कतार में खड़ा करवाया गया। अव्यवस्था न हो, इसके लिए कोचिंग के बाउंसर व स्टाफ हाथों में डंडे लेकर इन छात्रों को नियंत्रित करने में जूझते रहे। नौबत यह हुआ कि कई बार खाना खत्म हो गया। इसके बावजूद छात्र लाइन छोड़कर नहीं हटे। माइक से अनाउंस किया जा रहा था कि खाना खत्म हो चुका है, अब सभी छात्र अपने अपने रूम पर जाएं और दाल–चावल बनाकर खाएं। फिर भी छात्र डटे रहे। अलग–अलग शिफ्ट में भंडारा बनने के बाद पूड़ी–सब्जी खाकर ही वापस हुए।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में कांग्रेसियों ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर ईडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेशनल हेराल्ड मामले में यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अदालत से आए फैसले के बाद कांग्रेसियों ने जश्न मनाया। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऐलान पर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने सिविल लाइन्स सुभाष चौराहे से मार्च निकाला। कांग्रेसी भाजपा कार्यालय तक जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने रोक दिया। आक्रोशित नेताओं ने सड़क पर बैठकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के समझाने के बाद कांग्रेसी सड़क पर से हटे। शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी और प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ धनशोधन से जोड़कर उन्हें और पार्टी को बदनाम कर रही है। पार्टी प्रवक्ता हसीब अहमद ने कहा की नेशनल हेराल्ड का मामला पूरी तरह से फर्जी और राजनीति से प्रेरित था। शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी, यमुनापार अध्यक्ष अशोक पटेल, गंगापार अध्यक्ष अशफाक अहमद, मुकुंद तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, हसीब अहमद, संजय तिवारी, परवेज सिद्दीकी, सुनील पाण्डेय, किशोर वार्ष्णेय, अरशद अली, मुन्ना उपाध्याय, महेन्द्र सिंह, विशाल सोनकर, राकेश श्रीवास्तव, जीतेन्द्र राय, राजू सिंह, प्रतिमा त्रिपाठी, प्रदीप द्विवेदी समेत आदि लोग मौजूद रहें।

ठंड बढ़ी तो प्रयागराज में बदला स्कूलों का समय

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार व जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह की ओर से यह आदेश गुरुवार शाम को जारी कर दिया गया है। नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के लिए यह आदेश जारी किया गया है। इसमें यह कहा गया है कि अग्रिम आदेशों तक लागू रहेगा। DIOS पीएन सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में ठंड को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा के अधीन संचालित परिषदीय प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक, सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी बोर्डों के स्कूल अब सुबह 10 बजे से तीन तक संचालित होंगे। अधिकारियों की ओर से सभी स्कूल संचालकों व प्रिंसिपलों को निर्देशित किया गया कि शुक्रवार से ही इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

आशा कार्यकर्ताओं ने निकाला पैदल मार्च

प्रयागराज (संवाददाता)। गुरुवार को प्रयागराज की हजारों की संख्या में आशा कार्यकर्ता शहर में पैदल मार्च निकालने रहीं हैं। 14 सूत्री मांगों के समर्थन में यह आशा बालसन चौराहे पर पहुंची थी। यहां पर हाथों में बैनर व पोस्टर लेकर कलेक्ट्रेट की तरफ बढ़ी। योगी मोदी हाय हाय, अभी करो अर्जेंट करो हमको परमानेंट करो जैसे नारों के उद्घोष के साथ आशाएं कलेक्ट्रेट पहुंच गईं। आशा कर्मियों ने बताया कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं–आयुष्मान भारत, मातृ–शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम और टीकाकरण जैसे अभियानों में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में काम किया। इसके बावजूद न तो समय पर भुगतान हुआ और न ही स्थायी सुविधाएं दी गईं। 6 अप्रैल 2025 को स्वास्थ्य मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में लंबित मांगों के समाधान का आग्रह किया गया था, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आशा–आशा संगिनी कर्मियों ने 14 सूत्रीय मांगपत्र में मानदेय बढ़ाकर सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, ईपीएफ–ईएसआई की सुविधा, ग्रेज्युटी भुगतान, 10 लाख स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख जीवन बीमा, न्यूनतम मासिक मानदेय तय करने, यात्रा भत्ता व सुरक्षा सुविधा देने, मोबाइल–इंटरनेट खर्च का भुगतान, लंबित प्रोत्साहन राशि का एकमुश्त भुगतान, दुर्घटना में मृत कर्मियों के परिजनों को मुआवजा, बकाया भुगतान शीघ्र करने और जिलों में शिकायत निवारण समिति गठित करने की मांग की है।

देवरा पाटलेश्वर टोंस नदी तट से चेतावनी बोर्ड गायब

पर्यटकों की लापरवाही से बढ़ा हादसों का खतरा

प्रयागराज (संवाददाता)। कौंधियारा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरा पाटलेश्वर स्थित टोंस नदी तट पर लगाया गया चेतावनी बोर्ड इन दिनों रहस्यमय तरीके से गायब हो गया है। यह चेतावनी बोर्ड स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व में इसलिए लगाया गया था ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को नदी के किनारे जाने से रोका जा सके और संभावित हादसों से बचाव किया जा सके। लेकिन अब बोर्ड के गायब होने के बाद स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है।

देवरा पाटलेश्वर टोंस नदी घाट धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से काफी प्रसिद्ध है। दूर–दराज से श्रद्धालु और पर्यटक यहां दर्शन और भ्रमण के लिए पहुंचते हैं। खासतौर पर युवा वर्ग घाट के पास जाकर सेल्फी और वीडियो बनाने में मशगूल रहता है। नदी का बहाव तेज होने के कारण यहां पहले भी कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कई मामलों में लोगों के नदी में बह जाने की खबरें सामने आ चुकी हैं, जिसके चलते प्रशासन को जांच और बचाव कार्य में काफी मशक्कत करनी पड़ी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ समय पहले पुलिस द्वारा स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाकर लिखा गया था कि "नदी के नजदीक न जाएं, बड़ा हादसा हो सकता है।" इससे कुछ हद तक लोगों में डर बना रहता था और वे सतर्क रहते थे। लेकिन अब चेतावनी बोर्ड के हटते ही पर्यटकों की भीड़ फिर से घाट पर उमड़ने लगी है। खासकर छुट्टी के दिनों में यहां सेल्फी लेने वालों का जमावड़ा साफ देखा जा सकता है।

चिंता की बात यह है कि मौके पर न तो कोई पुलिसकर्मी तैनात नजर आ रहा है और न ही कोई वैकल्पिक चेतावनी व्यवस्था मौजूद है।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नया चेतावनी बोर्ड लगाया जाए और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। साथ ही, पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर नियमित पुलिस गश्त और निगरानी कैमरे लगाने की भी आवश्यकता बताई जा रही है। देवरा पाटलेश्वर टोंस नदी तट पर बढ़ते खतरे को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि प्रशासन सतर्कता बरते, ताकि किसी अनहोनी से पहले लोगों की जान बचाई जा सके।

नवाबगंज के कई गांवों में फिर से होगी चकबंदी, 1990 की धांधली की शिकायत पर प्रशासन का फैसला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र के कई गांवों में 1990 में हुई चकबंदी में कथित धांधली की शिकायतों के बाद अब फिर से चकबंदी कराई जाएगी। यह निर्णय भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के प्रयासों के बाद लिया गया है।

गुरुवार को पूरे घासी गांव में किसानों, राजस्व विभाग और चकबंदी अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर आयोजित की गई थी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्रा, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी संजीव कुमार, चकबंदी अधिकारी मनीष कुमार, सहायक चकबंदी अधिकारी यशवंत कुमार और थाना नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि पूर्व में हुई चकबंदी में अधिकारियों और भूमि माफियाओं द्वारा की गई बड़ी धांधली की जांच की जाएगी।

मकदूमपुर, मोहद्दीनपुर, सिंधापुर, सुल्तानपुर, घासी का पूरा, यूसुफपुर सहित अन्य कई गांवों के बेदखल किए गए किसानों को न्याय दिलाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। इन किसानों को चिन्हित कर उनकी भूमिधरी जमीन उनके नाम की जाएगी।

नई चकबंदी प्रक्रिया में पुराने रिकॉर्ड, जैसे खसरा खतौनी और आधार वर्ष 41, 45, 1359 के अभिलेखों की गंभीरतापूर्वक समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र किसानों को उनकी सही जमीन वापस मिल सके।

ब्राह्मण स्वयंसेवक संघ में बड़ा संगठनात्मक फैसला, चुना गया गंगा पार प्रयागराज का जिलाध्यक्ष

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में ब्राह्मण समाज की एक प्रमुख सामाजिक संस्था ब्राह्मण स्वयंसेवक संघ में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लिया गया है। संगठन के मंडल प्रमुख शिवकेश द्विवेदी की संस्तुति पर विनोद कुमार पांडे को गंगा पार प्रयागराज का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नव–नियुक्त जिलाध्यक्ष विनोद कुमार पांडे स्वर्गीय ब्रह्मदेव पांडे के पुत्र हैं और निर्मल निकुंज कॉलोनी, वार्ड नंबर-5, हैंडिया, प्रयागराज के निवासी हैं। वे लंबे समय से सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और समाज के विभिन्न वर्गों में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। मंडल प्रमुख शिवकेश द्विवेदी ने इस नियुक्ति की घोषणा करते हुए बताया कि विनोद कुमार पांडे को संगठन के प्रति उनके समर्पण, कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में गंगा पार क्षेत्र में संगठन को नई दिशा, ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। इस नियुक्ति की खबर फैलते ही गंगा पार क्षेत्र सहित पूरे प्रयागराज में कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। वरिष्ठ पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने इस निर्णय को सशक्त और दूरदर्शी बताया। बधाई देने वालों का तांता लग गया। विनोद कुमार पांडे ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने ब्राह्मण समाज के हित, सम्मान और एकता के लिए निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। यह नियुक्ति आने वाले समय में गंगा पार क्षेत्र में संगठन को नई मजबूती देने वाला कदम माना जा रहा है। बधाई देने वालों में श्री नाथ पांडेय बागेश्वर, अनिल कुमार मिश्रा, आदर्श तिवारी, प्रमोद तिवारी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, नेहा अभय पांडेय, आएएल. मिश्रा, दिनेश शर्मा, संदीप मिश्रा, हृदय नारायण पांडेय एडवोकेट, वरिष्ठ नारायण पांडेय एडवोकेट, पंकज कुमार पांडेय एडवोकेट, भुलेश्वर तिवारी, कलेक्टर तिवारी, पुरुषोत्तम मिश्रा, निखिल मिश्रा एडवोकेट, महेंद्र दूबे और अवनीश दूबे सहित कई लोग शामिल रहे।

महिला से मारपीट, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र में एक महिला से पड़ोसियों ने मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज को शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। बलापुर जगदीशपुर निवासी निशा देवी पत्नी मुकेश कुमार बिंद ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसियों द्वारा कई महीनों से उनके साथ मारपीट की जा रही है। पड़ोसियों ने उनके घर में घुसकर लाठी–डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के तुरंत बाद 112 पुलिस को सूचना दी गई। इसके अतिरिक्त, निशा देवी ने पुलिस चौकी इमामगंज और हंडिया थाने में भी लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन उनका आरोप है कि कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता का कहना है कि वह कार्रवाई के लिए थाने और चौकी के चक्कर काटते–काटते थक चुकी हैं। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस द्वारा कार्रवाई न होने के कारण अब पड़ोसी उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। थक–हारकर, निशा देवी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज को शिकायत पत्र सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में चौकी इंचार्ज इमामगंज दिनेश कुमार से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है और जानकारी हासिल करने के बाद ही वे कुछ कह पाएंगे।

भीम आर्मी का मेजा में दो दिवसीय प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। मेजा तहसील मुख्यालय में बुधवार और गुरुवार को भीम आर्मी ने दो दिवसीय प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने दलित, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और आदिवासी समाज पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार मेजा को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व भीम आर्मी प्रयागराज के जिलाध्यक्ष राणा प्रताप बौद्ध ने किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में बहुजन समाज के सदस्यों के साथ हत्या, बलात्कार, सामाजिक अपमान और धार्मिक उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इससे सामाजिक समरसता और संविधान की मूल भावना को गंभीर क्षति पहुंच रही है। ज्ञापन में कई घटनाओं का उल्लेख किया गया। इनमें महाराष्ट्र के नांदेड़ में अंतरजातीय विवाह के कारण एक युवक की हत्या, मध्य प्रदेश में जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने वाले आईएएस अधिकारी पर कार्रवाई, खंडवा में दलित आदिवासी महिला से सामूहिक बलात्कार और राजस्थान व उत्तराखंड में दलितों के खिलाफ हिंसा शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुस्लिम समाज पर हो रहे हमलों, घरों को जलाने, धार्मिक स्थलों को तोड़ने और मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर भी गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इन मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध कराने, सरकारी और निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने, शिक्षण संस्थानों में शून्य शुल्क पर प्रवेश, मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने तथा अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं सम्मानजनक सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांगें भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मांडा में दो पक्षों में जमकर मारपीट, पुरानी रंजिश में आधा दर्जन घायल, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

प्रयागराज (संवाददाता)। यमुनापार क्षेत्र के मांडा थाना अंतर्गत चिलबिला गांव में बुधवार रात पुरानी रंजिश के चलते दो सगे भाइयों के बीच मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों की महिलाओं सहित कुल छह लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर दिघिया चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को इलाज के लिए मांडा सीएचसी भेजा और दोनों पक्षों को मांडा थाने बुलाया। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर गुरुवार दोपहर 3 बजे मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, चिलबिला गांव निवासी स्वर्गीय जीतनारायण के पुत्रों केवला प्रसाद सरोज और शिव प्रकाश सरोज के बीच बुधवार रात पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह गाली–गलौज से बढ़कर मारपीट में बदल गया, जिसमें दोनों पक्षों की ओर से लाठी–डंडे चले। इस मारपीट में दोनों पक्षों की महिलाओं सहित कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। मांडा थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए जांच की जा रही है।

मेजा में गैंगस्टर एक्ट का वांछित आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र से पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक वांछित आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। 25 वर्षीय सुनील कुमार पुत्र कामता प्रसाद, ग्राम श्री का पुरा, टुड़िहार का निवासी है। पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ा और न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। यह गिरफ्तारी गुरुवार को हुई। पुलिस आयुक्त, प्रयागराज द्वारा अनुमोदित गैंगचार्ट के आधार पर सुनील कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मेजा थाने में सुनील कुमार सहित कुल पांच आरोपियों पर उत्तर प्रदेश गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 (गैंगस्टर एक्ट) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस गैंगचार्ट में सुनील कुमार के अलावा सौरभ मिश्रा उर्फ आकाश पयासी, फिरदौस, जगजीत दुबे उर्फ छोटू और अतीक अंसारी भी शामिल हैं। सहायक पुलिस आयुक्त मेजा के निर्देश पर इस मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक मांडा को सौंपी गई थी। प्रभारी निरीक्षक दीनदयाल सिंह के नेतृत्व में मेजा पुलिस टीम ने दबिश देकर वांछित अभियुक्त सुनील कुमार को गिरफ्तार किया।

9 वें रामगढ़ महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमो की रही धूम
राष्ट्रीय किसान सम्मेलन बना मुख्य आकर्षण
सजग समाज ही सतत विकास करता है– समाज शेखर

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के शंकरगढ़ ब्लाक के सोनवर्षा गांव स्थित अति प्राचीन प्रमुख शिवमन्दिर रामगढ़ धाम में पौषी तेरस मेला के अवसर पर तीन दिवसीय नौवें रामगढ़ महोत्सव का भव्य आयोजन 16 दिसंबर से 18 दिसंबर तक भव्यता से मनाया गया। रामगढ़ पर्यटन विकास ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित रामगढ़ महोत्सव में धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमो की लगातार प्रस्तुतियों ने मेला व महोत्सव की महत्ता को सुदूर जंगल में परिलक्षित किया। राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में जुटे देश भर के किसान नेताओं ने जल, जंगल व जमीन के मुद्दों पर गंभीर चर्चा व चिंतन करके स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर पहल हेतु चिंहित किये गए।

महोत्सव का विधिवत शुभारंभ 16 दिसंबर को लोकप्रिय विधायक बारा वाचस्पति जी ने धाम का विधिवत पूजन अर्चन करके किया। लोक गायक अभिषेक हरिहर दुबे और धीरेंद्र कुमार के भजन संध्या से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 17 दिसंबर को मुख्य मेला पर्व पर सुबह से ही चाक चौबन्द सुव्यवस्था कार्यकर्ता व पुलिस द्वारा की गई। कंट्रोल रूम से व्यवस्था को नियंत्रित किया गया. वहीं धाम स्थित श्री राम मंच पर क्रांतिकारी किसान यूनियन द्वारा राष्ट्रीय किसान सम्मेलन का उदेश्य पूर्ण आयोजन हुआ।

महोत्सव के मार्गदर्शक, रामगढ़ धाम के पुनरोद्धारक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता ष्लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ष समाज शेखर ने महोत्सव में प्रतिभाग कर संयोजक सचिन सिंह सहित सभी सक्रिय कार्यकर्ताओ तथा आयोजनों व व्यवस्था की सराहना की। किसान सम्मेलन सहित विविध आयोजनों में प्रतिभाग कर किसान संगठनो, कार्यकर्ता व पुलिस कर्मियों का उत्साह बढ़ाया. उन्होंने कहा की सजग समाज ही सतत विकास करता है। रामगढ़ धाम व आस पास का विकास उसका उदाहरण है । प्रसिद्ध सहित्यकार व कवि डॉ नीलिमा मिश्रा के भक्ति व सम्वेदना से भरे गीतों पर सभी झूमने पर मजबूर हो गए. वहीं कवि व वरिष्ठ पत्रकार जगदंबा प्रसाद शुक्ल ने कई सामयिक गीत प्रस्तुत कर सभी को भाव बिभोर कर दिया। देवरहा बाबा सेवा ट्रस्ट के प्रिय शिष्य जंगल बाबा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर सभी को अपनी साझा जरूरतों के लिए लगातार कोशिश करने का संदेश दिया। अध्यक्षता धाम के महंत नंद लाल जी महाराज ने किया।

ज्ञान धारा पशु आहार कंपनी द्वारा मेला व महोत्सव मे विविध जागरूकता परक आयोजन किये गए। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबन्धक सहित 2 दर्जन से अधिक कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया। कई निजी चिकिसालयों द्वारा लगे चिकित्सा शिविर मेले में आये श्रद्धालुओं व ग्रामीणों ने परामर्श व दवा प्राप्त की। पशु चिकित्साधिकारी सुशील मौर्य ने पशु पालको की शंकाओ का समाधान किया। वहीं 18 दिसंबर बृहस्पतिवार को ठाकुर इलाहाबादी की संयोजन में भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।बिहारी लाल अम्बर, बिपिन बिहारी , अतुल शर्मा, वेदानंद वेद, प्राणेश जी, राम सुरेश अंजाना, सत्येंद्र शुक्ल , रेणु मिश्रा सहित कई नामचीन कवियों ने प्रतिभाग किया।

यमुनापार विकास समिति के अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा की यमुनापार मे रामगढ़ ध ाम सुदूर जंगल में बिलुप्त के कगार पर था, 2017 में राम भवन जी की सहायता से समाज शेखर जी ने आकर सभी को फिर से अलख जगाया. जिसका नतीजा सामने है धाम और स्थानीय समाज का विकास निरंतर जारी है।

महोत्सव में रामगढ़ धाम पर्यटन विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष इंद्र भान सिंह , महासचिव सचिन सिंह, उपाध्यक्ष छेदी लाल, वरिष्ठ सदस्य फूल सिंह पटेल,सचिव, हंसराज, सालिक राम, पुष्प राज सिंह प्रधान शैल कुमारी आदि सभी सदस्य व्यवस्था में अपनी भागीदारी किया।

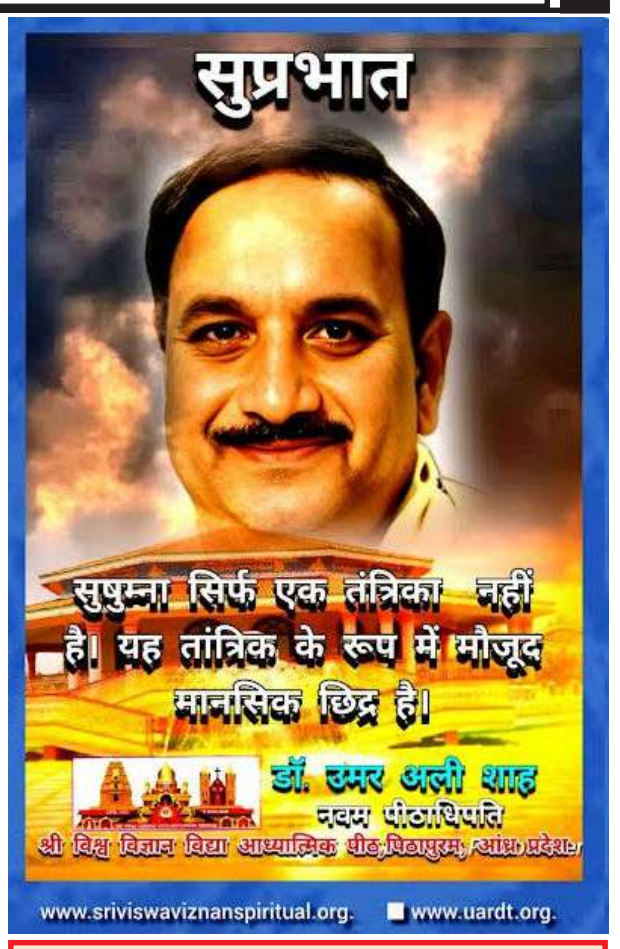

वायोला के फूल

वायोला इक फूल है, जिसकी सभी प्रजाति।
उपवन को मुस्कान दे, बनकर सदा विभाति।
बनकर सदा विभाति, सर्दियों के मौसम में।
हर इक को दे हर्ष, साथ देते हैं गम में।
सुन लो कहें प्रदीप, गमक का बनकर शोला।
खिलते हैं यह फूल, नाम रखकर वायोला।।

उपवन की शोभा बने, वायोला के फूल।
कलियाँ जिनकी खिल रहीं, ठण्डक पा माकूल।
ठण्डक पा माकूल, बैंगनी नीले पीले।
पंखुड़ियों के रंग, चटक अरु हैं चटकीले।
सुन लो कहें प्रदीप,भाव भर कंचन कंचन।
खिलते हैं जब फूल, महकता सारा उपवन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी विधानमंडलः वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर सदन में चर्चा करा सकती है सरकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से शुरु हो रहे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विध ानभवन में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध यक्षता विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने की। सूत्रों के अनुसार सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सदन में विशेष चर्चा कराने पर विचार कर रही है। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे, बसपा नेता उमा शंकर सिंह, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा सहित विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले शीतकालीन सत्र की रूपरेखा तय करने के लिए कार्यमंत्रणा समिति की बैठक भी बुलाई गई। सूत्रों के अनुसार सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सदन में विशेष चर्चा कराने पर विचार कर रही है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में लिया जाएगा। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलेगा। सत्र की अवधि को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। सर्वदलीय बैठक में शामिल होने जाते समय समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मल्होत्रा ने कहा कि सरकार जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है, इसी वजह से शीतकालीन सत्र को इतना छोटा रखा गया है। उन्होंने सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता से जुड़े सवालों पर विस्तार से चर्चा जरूरी है।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, महिलाओं से की अभद्रता

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की। महिलाओं से छेड़छाड़ करने के साथ ही जानलेवा हमला किया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पीड़ित ने इस मामले में थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार निवासी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि उनके मोहल्ले में विजय द्विवेदी, अंकुर द्विवेदी, बृजेश द्विवेदी और विक्की द्विवेदी घर बनवा रहें है। गुरुवार सुबह निर्माण सामग्री से लदा एक ट्रक संकरी सड़क से गुजर रहा था। इस दौरान सत्येंद्र की वृद्ध मां ने ट्रक चालक से सड़क संकरी होने के कारण सावधानी से ट्रक निकालने को कहा, जिस पर चालक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसके बाद मकान बनवाने वाले चारों लोग मौके पर पहुंचे और गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। दबंगों ने पीड़ित के घर में घुसकर सत्येंद्र, उनकी मां, बहन और भाई के साथ मारपीट की। इस दौरान महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ भी की गई। बीच–बचाव करने आए एक युवक पर ईंट से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

भक्ति के रंग में रंगेगा सदर, कैंट में 22 दिसंबर से श्रीमद्भागवत कथा

लखनऊ, संवाददाता। नवाबों के शहर लखनऊ की फिजाओं में अब भक्ति और आध्यात्म की सुगंध घुलने वाली है। सदर कैंट स्थित पौराणिक श्री शिव श्याम मंदिर (हाता राम दास) के प्रांगण में आगामी 22 दिसंबर से 29 दिसंबर तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विराट आयोजन होने जा रहा है। श्री शिव श्याम मंदिर समिति के मुख्य संयोजक राजेन्द्र पांडेय गुरुजी ने बताया कि कथा पूर्व 21 दिसंबर (रविवार) को प्रातः 10.30 बजे एक विशाल मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर मंदिर परिसर से निकलेंगी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय जयकारों से गुंजायमान हो उठेगा। उन्होंने बताया कि 22 दिसम्बर से 29 दिसम्बर तक शाम 4 बजे से कथा व्यास आचार्य विष्णु शरण भारद्वाज जी महाराज अपनी ओजस्वी और मधुर वाणी से भक्तों को श्रीमद्भागवत के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराएंगे।

काकोरी में भगवान पार्श्वनाथ की भव्य रथयात्रा, पंचकल्याणक महोत्सव की घोषणा

लखनऊ, संवाददाता। काकोरी स्थित भगवान पारसनाथ धाम में भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक दिवस पर वार्षिक रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में संपूर्ण अवध क्षेत्र से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भाग लिया। जून 2026 में होगा ऐतिहासिक पंचकल्याणक मुख्य संयोजक ब्रिजेश जैन बंटी ने इस अवसर पर एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि आगामी 24 से 29 जून 2026 तक चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में 21 फीट ऊँची आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा।

परवरिश से परदे तक: एक्टर्स के परिवार में पली-बढ़ी सीरत कपूर ने बताये अपने बचपन के अनसुने किस्से

प्रयागराज। एण्डटीवी के आगामी सुपरनैचुरल कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर बचपन से ही एक्टिंग की दुनिया से जुड़ी रही हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े परिवार में पली–बढ़ी सीरत का सफर शुरुआती अनुभवों, अनुशासन और कहानी कहने के प्यार से बना है। बचपन में मॉडलिंग से लेकर अपने पिता और भाई को इंडस्ट्री में काम करते देखने तक, उनका अभिनय का सफर बहुत ही स्वाभाविक और प्रेरणादायक रहा है।

अपने बचपन को याद करते हुए सीरत कपूर कहती हैं, "हमारा घर शुरू में बिल्कुल सामान्य था क्योंकि मेरे पापा संदीप कपूर करीब 40 साल की उम्र तक कॉरपोरेट जगत में थे। उस वक्त एक्टिंग हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा नहीं थी। हम चंडीगढ़ में रहते थे और पढ़ाई हमेशा पहली प्राथमिकता रही। हालांकि, मेरे पापा को इस इंडस्ट्री से गहरा लगाव था और वहीं से मेरा सफर शुरू हुआ। मैंने पांच साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की और टीवी कमर्शियल्स व प्रिंट विज्ञापन किए। मेरा पहला टीवी कमर्शियल बांग्लादेश में शूट हुआ था। बाद में मेरे माता–पिता ने कहा कि पढ़ाई पर पूरा ध्यान दूं, जो मैंने पूरी ईमानदारी से किया।"

वह आगे बताती हैं, "जब मेरे भाई विराज कपूर ने चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम शुरू किया और मेरे पापा ने डायरेक्शन का कोर्स करके फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, तो घर में एक्टिंग को लेकर बातें अपने आप बढ़ने लगीं। ये कोई औपचारिक चर्चा नहीं होती थी, लेकिन खाने के दौरान ऑडिशन, स्क्रिप्ट और परफॉर्मेंस जैसी बातें सामने आ ही जाती थीं। चंडीगढ़ और मुंबई के बीच उनका सफर देखकर मुझे समझ आया कि इस प्रोफेशन में कितनी मेहनत लगती है। फिर भी मेरे माता–पिता चाहते थे कि मैं पहले अपनी पढ़ाई पूरी करूं। कॉलेज में दाखिला लेना मेरे लिए एक बड़ा मोड़ था। पापा ने हमें सिखाया कि ये इंडस्ट्री सिर्फ टैलेंट की नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनने की भी है। उनकी ये सीख आज भी मेरे साथ है।"

सीरत कपूर को सावी के किरदार में देखें 'घरवाली पेड़वाली' में, सोमवार से शुक्रवार रात 10:00 बजे, सिर्फ एण्डटीवी पर!

एलडीए जनता अदालत में पेट पर शिकायत चिपकाकर अधिकारी से मिला फरियादी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के कर्मियों की कार्यशैली से आजिज आकर अधिकारियों से यूनीक तरीके से शिकायत की। वह अपनी शिकायत पेट पर चिपकाकर एलडीए ऑफिस पहुंच गए। उन्होंने बताया कि घर के पास एक टावर लगा है। उसे हटवाने के लिए 8 महीने से दौड़ रहा हूं। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह देखने को मिला गुरुवार को एलडीए में आयोजित जनता अदालत में। इस दौरान दूसरे फरियादी भी पहुंचे जिन्होंने अपनी शिकायतें दीं। साथ ही नगर निगम के एक पार्षद भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। उनका कहना था कि उनके वार्ड में भूमाफिया सरकारी जमीन पर होटल बनवा रहा है। उसे अधिकारी नहीं रोक रहे। गोमतीनगर से एक बुजुर्ग अपने घर के पास लगे टावर को हटवाने की शिकायत लेकर पहुंचे। सुरेश चंद्र ने बताया मेरे घर के पास में एक टावर लगा है। उसे हटाने की शिकायत वह 8 महीने से कर रहा हूं। अफसरों ने टावर हटाने के निर्देश भी दिए थे पर 8 महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक वह नहीं हटा है। टावर मालिक से प्राधिकरण के अफसर मिल गए हैं इसीलिए टावर नहीं हट रहा। आशियाना रेजीडेंसी एसोसिएशन अध्यक्ष आरके पांडेय ने कहा आशियाना योजना बनाते समय अंसल ने सभी सेक्टरों में पार्क और कम्युनिटी सेंटर बनाने का वादा किया था। बाद में उसने जमीनों को बेच दिया। आवंटियों के दबाव के बाद अंसल ने आशियाना के सेक्टर–के में डेढ़ एकड़ जगह दी थी। उसके एक हिस्से में सभी आवंटियों ने पैसे से एक मंदिर बनवाया। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंदिर में अपना पुजारी बैठा दिया है। उस जमीन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण अब कम्युनिटी सेंटर बनाने जा रहा है, जबकि पूरी योजना में सिर्फ एक पार्क है। इसके साथ ही एसोसिएशन ने शिकायत की है कि पार्क पर किसी तरह का कोई निर्माण नहीं करवाया जाए। इब्राहिमपुर वार्ड के पार्षद बृजमोहन शर्मा ने बताया कि उनके वार्ड में हरिहर नगर स्थित सरकारी जमीन पर माफिया कब्जा करके होटल बना रहे हैं। 2016 में महेश वर्मा नाम के भूमाफिया पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद से उसने होटल के निर्माण का काम बंद कर दिया था। लेकिन 10 दिनों से आरोपी बिल्डर ने फिर से होटल निर्माण का काम शुरू कर दिया है। इसको लेकर के लखनऊ विकास प्राधिकरण के जेई और नगर निगम के तहसीलदार से कई बार शिकायत की पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब इसकी शिकायत लेकर एलडीए वीसी से मिलने आए।

नीतीश-संजय के खिलाफ होर्डिंग वार, सपा नेता बोले महिला सम्मान का नारा खोखला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में सपा कार्यालय के पास लगी होर्डिंग। समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के खिलाफ होर्डिंग वार। यह होर्डिंग सपा कार्यालय और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद के आवास के बीच लगाई गई, इस के माध्यम से दोनों नेताओं पर तीखे शब्दों में हमला बोला गया है। पोस्टर के माध्यम से सपा नेता ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए लिखा है नियुक्ति पत्र मांगती बच्चियां, हिजाब हटाया जा रहा। के जरिए सरकार की नीतियों और सामाजिक मुद्दों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। पोस्टर में यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि युवतियों और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवेदनशील नहीं है। होर्डिंग पर लिखा संदेश नियुक्ति पत्र मॉगती बच्चियॉं, हिजाब हटाया जा रहा, सत्ता के घमंड में मंत्री, मर्यादा भूले जा रहे। छुआ ही तो क्या कहकर, जुर्म को हल्का बताते हैं, नारी सम्मान पर हँसी और खुद को नेता बताते हैं। अखिलेश यादव ढाल बनकर, हर नारी के सम्मान के साथ है। होर्डिंग में इन्हीं शब्दों के साथ संजय निषाद और नीतीश कुमार पर हमला किया गया है तो वहीं अखिलेश यादव को नारी सम्मान का मसीहा बताया। सपा नेता मोहम्मद इखलाक ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा सरकार में मंत्री संजय निषाद दोनों ही महिला विरोधी हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी भी यह बताती है कि वह इन दोनों नेताओं के कृत्य और बयान का समर्थन कर रही है। सरकार के द्वारा महिला सम्मान का दिया जाने वाला नारा पूरी तरह झूठ और खोखला है हम लोग इसके खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं और यह विरोध आगे भी जारी रहेगा।

प्रयागराज में रामसेतु का डीपीआर तैयार

प्रयागराज। प्रयागराज में रामसेतु का डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार हो गया है, महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय सिविल लाइंस में सेतू निगम, आर की टेक, और नगर निगम के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई, इस बैठक में दिल्ली से आए आर की टेक के भी मुख्य

अधिकारी उपस्थित रहें ।

'रामसेतु के बारे में मुख्य बातें :'

– 'लागत :' 258.76 करोड़ रुपये।

– 'लंबाई :' 1200 मीटर, चौड़ाई 5–7 मीटर।

– 'पुल का उद्देश्य' यमुना नदी पर एक पैदल पुल, जो मिंटो पार्क (अरैल तट) को शिवालय पार्क (नैनी) से जोड़ेगा।

– 'महत्व :' भगवान राम के वनवास मार्ग से जुड़ा यह पुल, प्रयागराज की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन पहचान को बढ़ावा देगा।

– 'बजट आवंटन :' डीपीआर तैयार, बजट मिलते ही काम तेज किया जाएगा।

महापौर के अनुसार, यह पुल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक होगा, साथ ही नगर निगम की आय में भी वृद्धि करेगा। रामसेतु का निर्माण नए यमुना पुल के बगल से शुरू होकर शिवालय पार्क तक होगा, और इसमें देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी लगाई जाएंगी, रामसेतु के डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) के तैयार होने की खबर उत्साहजनक है, महापौर के अनुसार, जल्द ही वे बड़े नेताओं और उच्च अधिकारियों से बातचीत करके इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। बैठक में सेतु निगम के प्रोजेक्ट मेनेजर रोहित मिश्रा नगर निगम के अधिशाषी अभियंता अजीत कुमार, अनिल मौर्य, अवर अभियंता राम सक्सेना, एवं आर की टेक के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुराने पॉवर ट्रांसफार्मर से चालू होगा नया बिजलीघर...नए साल में फरवरी से होगी आपूर्ति

लखनऊ। वीआईपी उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने के लिए विधान सभा मार्ग उपकेंद्र परिसर में बना नया 33/11 केवी बिजलीघर पुराने पावर ट्रांसफार्मर से नए साल फरवरी में चालू होगा। शायद, विभाग के पास पांच एमवीए क्षमता का नया पॉवर ट्रांसफार्मर नहीं है। हालांकि, विभाग की सफाई है, कि पांच एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर पुराना ही लगता, जो क्षमता बढ़ोतरी के बाद हटाया जाता है। नए बिजलीघर का कंट्रोलरूम बन गया है। चबूतरे पर पांच एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर भी विराजमान हो चुका। यह ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत होने की स्थिति में है। मगर, 11 केवी के नए तीन फीडर की लाइन बनना बाकी है। यह बिजली लाइन करीब एक किमी लंबी बिछेगी। यह कार्य जनवरी के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इस बिजलीघर के तीन पैनल पुराने बिजलीघर दारूलशफा पर लगे हैं।

सम्पादकीय.....

अमीरी दे गरीब को त्रास

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली घातक पर्यावरण संकट झेल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट के निदान के लिये जो उपाय लागू किए जा रहे हैं, उसका खमियाजा गरीबों को झेलना पड़ रहा है। इस संकट की संवेदनशीलता को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवन शैली से उपजी मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। दरअसल, बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी। अदालत का कहना था कि दिल्ली एनसीआर में ग्रेप–4 लागू करने के चलते जो पाबंदियां लागू की गई हैं, उनका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को हो रहा है। इससे निर्माण कार्य बंद होने से हजारों गरीब मजदूरों का चूल्हा नहीं जल सकेगा। मुख्य न्यायाधीश ने इस बाबत कहा कि संपन्न लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें समस्या का पता है और इसलिए हम ऐसे आदेश पारित करेंगे, जिनका पालन किया जा सकेगा। कहा कि कुछ निर्देश ऐसे भी हैं, जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश–पर्यावरण साफ–सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर–गरीब पर समान असर पड़ता है। निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख–सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड–इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। विडंबना यह है कि महानगरों व अन्य शहरों में जहां कुछ इलाकों में पेयजल का संकट बना रहता है, वहीं दूसरे पॉश इलाकों मे लॉन सींचने, कार धोने और स्वीमिंग पूलों के लिये पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। अकसर कहा जाता है कि कुदरत ने हर व्यक्ति के लिए हवा, पानी व भोजन उपलब्ध कराया है, लेकिन इनके असमान वितरण व अमीरी के दखल के चलते, गरीब के साथ न्याय नहीं हो पाता है। अमीर होना बुरा नहीं है लेकिन उसकी अमीरी की कीमत गरीब को न चुकानी पड़े।

साफ हवा में सांस लेने की आजादी अभी दूर

राज कुमार सिंह

'वंदे मातरम' और 'चुनाव सुधार' पर राजनीतिक रार के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को शून्यकाल में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए पेशकश की कि सत्तापक्ष और विपक्ष सदन में चर्चा कर समाधान खोजें, तो संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी चर्चा के लिए सरकार की सहमति जताई।

अर्से बाद हुआ है कि सत्तापक्ष और विपक्ष किसी मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए सहमत हो गए। समाधान तो पता नहीं, पर यह भी संतोष की बात है कि संसद दिल्ली–एन.सी.आर. में सांसों पर गहराते संकट पर चर्चा करेगी। 'वंदे मातरम' और 'चुनाव सुधार' पर राजनीतिक रार के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को शून्यकाल में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए पेशकश की कि सत्तापक्ष और विपक्ष सदन में चर्चा कर समाधान खोजें, तो संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी चर्चा के लिए सरकार की सहमति जताई। छुट्टी का दिन होने के बावजूद शनिवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) छलांग लगाते हुए 400 पार पहुंच गया। नतीजतन ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) एक ही दिन में दो बार अपडेट करना पड़ा। हालांकि अब सरकारी आंकड़े बहुत विश्वसनीय नहीं रह गए हैं लेकिन उनके मुताबिक भी दोपहर तक दिल्ली में ए.क्यू.आई. 431 हो गया, जिसके चलते पहले से लागू ग्रैप–2 को ग्रैप–3 में बदलना पड़ा तो शाम होते–होते ए.क्यू.आई. 441 हो गया। नतीजतन गहराते वायु प्रदूषण के मद्देनजर वायु गुणवत्ता आयोग की सब कमेटी ने पूरे दिल्ली–एन.सी.आर. में ग्रैप–4 के तहत प्रतिबंध लगाने का ऐलान कर दिया। फिर भी रविवार की सुबह ए.क्यू.आई. 500 तक पहुंच गया। देश के दिल दिल्ली में हवा की गुणवत्ता इस साल सबसे खराब मानी जा रही है। खासकर बच्चों और

बुजुर्गों के लिए जानलेवा वायु प्रदूषण का यह आलम तब है, जब दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनी पीठ खुद थपथपाती रही है। हाल ही में दावा किया गया कि दीवाली पर पटाखे चले और ऑड–ईवन के तहत कारों–बाजारों पर प्रतिबंध भी नहीं लगाए, फिर भी वायु प्रदूषण पिछले साल के मुकाबले नियंत्रण में रहा। लेकिन दिल्ली वालों को साल में उंगलियों पर गिने जा सकने वाले दिन ही वैसी साफ हवा नसीब हो पाती है, वरना पूरे एन.सी.आर. में लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। दीवाली के आसपास तो ए.क्यू.आई. 900–1000 तक पहुंच जाता है। बेशक दिल्ली–एन.सी.आर. निवासियों के लिए सांसों का यह संकट नया नहीं है। एक दशक से तो वे यह संकट झेल ही रहे हैं, जिसका ठीकरा अक्सर दीवाली पर चलाए जाने वाले पटाखों और पड़ोसी राज्यों में जलाई जाने वाली पराली के सिर फोड़ दिया जाता है। दिल्ली सरकार की पैरवी पर सर्वोच्च न्यायालय ने इसी साल, अर्से बाद दीवाली पर सीमित अवधि के लिए ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी। अगले दिन ए.क्यू.आई. गंभीरतम श्रेणी में पहुंच जाना अवधि की सीमा और ग्रीन पटाखों की व्यावहारिकता, दोनों पर ही सवालिया निशान लगा गया। सैंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमैंट (सी.एस.ई.) का मानना है कि पराली अब मुख्य खलनायक नहीं है। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं कम हुई हैं और वायु प्रदूषण में स्थानीय कारणों का योगदान 85 प्रतिशत तक है। अक्तूबर–नवम्बर में ज्यादातर दिनों वायु प्रदूषण में पराली का योगदान 5 प्रतिशत के आसपास ही रहा। सी.एस.ई. का अध्ययन यह भी बताता है कि वायु प्रदूषण के लिए मुख्य खलनायक वाहन, उद्योग, बिजली संयंत्र और भवन निर्माण आदि हैं। पूरे देश की तो छोडिए, राजधानी दिल्ली और एन.सी.आर. में भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। पिछले एक दशक में भी मैट्रो के विस्तार और गिनती की इलैक्ट्रिक बसों के अलावा सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इसीलिए लोग अपने सामर्थ्य के अनुसार निजी वाहनों का इस्तेमाल करने को बाध्य होते हैं। फिटनैस अवधि और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र को भी नजरअंदाज कर पुरानी निजी कारों पर प्रतिबंध से लोगों के कामकाज और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय सांस लेने लायक साफ हवा नागरिकों का मौलिक अधिकार बता चुका है लेकिन उसका हनन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का अभी तक इंतजार है। आयुष्मान भारत का नारा देने वाली सरकार वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली–एन.सी.आर. निवासियों की उम्र 8–10 साल कम होने की आशंका वाले अध्ययनों से कैसे मुंह चुरा सकती है? पद्म पुरस्कार से सम्मानित 80 से अधिक डॉक्टरों ने दिसम्बर के पहले सप्ताह में देश भर में खतरनाक स्तर पर पहुंच चुके प्रदूषण को हैल्थ एमरजैंसी करार दिया था। विडंबना यह है कि उस दिशा में, चिंता जताने से आगे, कोई पहल भी नजर नहीं आती। साल–दर–साल निराशा के बावजूद उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद इस मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर चर्चा करेगी और कुछ ठोस परिणामपरक दीर्घकालीन रणनीतिक उपायों पर सहमत भी होगी।

मनरेगा से जी राम जी, भाजपा की सनक

प्रेम शुक्ल

नाम बदलना भाजपा का पुराना शगल रहा है। सड़कों, स्टेशनों, चौराहों के साथ–साथ पुरानी सरकारों की शुरु की गई बहुत सी योजनाओं के नाम भाजपा सरकारें बदलती रही हैं, लेकिन इस बार मोदी सरकार ने एक आजीविका मिशन ग्रामीण 2025श पेश किया। इसका संक्षिप्तीकरण वी बी– जी राम जी के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। राम शब्द का सियासी इस्तेमाल कितने तरीकों से किया जा सकता है, इसकी नयी–नयी मिसालें मोदी सरकार पेश कर रही है। राम मंदिर बनाने के लिए रथ यात्रा निकालने से लेकर बाबरी मस्जिद गिराकर उस जगह पर राम मंदिर के लिए पहले शिलान्यास करना, फिर राम मंदिर बनने के बाद उद्घाटन करना और इसके बाद मंदिर में धर्म ध्वजा फहराने जैसे काम किए गए, इसके बाद भी भाजपा को लगता है कि राम नाम को भुनाने की संभावनाएं अभी मौजूद हैं, लिहाजा अब महात्मा गांधी के नाम पर पिछले 20 सालों से चल रही ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को ही बदल दिया गया है।पिछले सप्ताह तक चर्चा थी कि भाजपा मनरेगा में महात्मा गांधी की जगह पूज्य बापू करना चाहती है। इस पर भी विपक्ष ने सवाल किया था कि आखिर महात्मा गांधी नाम से भाजपा को क्या तकलीफ है। लेकिन अब तो न केवल महात्मा गांधी शब्द हटाया गया है, बल्कि योजना ही बदलने की तैयारी है। जिसके बाद संसद का शीतकालीन सत्र में बड़ा विवाद बन गया है। विपक्ष ने मंगलवार को संसद परिसर में इस पर प्रदर्शन भी किया। प्रणिति शिंदे और कुमारी शैलजा समेत कुछ सांसद तो पुराने संसद भवन की छत पर चढ़कर गांधीजी के पोस्टर के साथ नारेबाजी करते दिखे।दरअसल मनरेगा को बदलने का यह प्रस्ताव ग्रामीण भारत की आजीविका से जुड़ा होने के कारण राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरीके से संवेदनशील है। पांच साल पहले जब कोरोना की महामारी ने देश को आर्थिक तौर पर भी झकझोर कर रख दिया था, तब इसी मनरेगा के कारण ग्रामीण भारत में दो वक्त की रोटी का सहारा बना रहा। केंद्र की मोदी सरकार ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है और माना है कि मनरेगा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है। जबकि अपने पहले कार्यकाल में इसी मनरेगा का मजाक उड़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे यूपीए सरकार का गड्ढा बताया था। जबकि मनरेगा इतना क्रांतिकारी कानून था कि 2005 में जब इसे लाया गया था, तब संसद में सभी राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था।मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में हर परिवार को साल में 100 दिन के मजदूरी वाले काम की गारंटी देता है। जबकि नए विधेयक में मजदूरी के 125 दिन निर्धारित किए गए हैं, लेकिन इसमें न मानदेय बढ़ाया गया है, न ये तय है कि ग्रामीण किस तरह रोजगार की गारंटी पाएंगे, क्योंकि अब यह हक ग्राम पंचायतों का नहीं केंद्र का हो जाएगा। प्रियंका गांधी ने इस बारे में लोकसभा में कहा है कि मनरेगा मांग–आधारित है, जिसमें केंद्र सरकार की फंडिंग भी मांग के अनुसार होती है। लेकिन नए विधेयक में केंद्र नॉर्मेटिव फंडिंग के आधार पर वित्तपोषण करेगा। नॉर्मेटिव फंडिंग मतलब एक ऐसी प्रणाली जहां धन का आबंटन पूर्व–निर्धारित मानकों, मानदंडों या नियमों के आधार पर होगा, ग्राम सभा की जरूरत के मुताबिक नहीं। यानी किसी ग्राम सभा को अगर किसी कार्य के लिए ज्यादा धन की जरूरत होगी, तब भी केंद्र उसे वह मुहैया नहीं कराएगा, बल्कि जो पहले से तय है, उतना ही फंड जारी करेगा। इससे ग्राम सभाओं की भूमिका कमजोर होगी, जो स्थानीय स्तर पर काम की मांग तय करती हैं। प्रियंका गांधी ने चेतावनी दी है कि श्रोजगार का अधिकार कमजोर किया जा रहा है, जो हमारे संविधान के खिलाफ है।श जी राम जी में अधिकांश राज्यों के लिए केंद्र का फंड योगदान 60 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है, जबकि राज्यों को पहले से जीएसटी की बकाया राशि भी नहीं मिल रही है, ऐसे में ग्रामीण रोजगार के लिए धन की कमी राज्यों में हो जाएगी और इसका नुकसान उन ग्रामीणों को भुगतना पड़ेगा, जिनके घर मनरेगा के कारण चल रहे हैं। प्रियंका गांधी ने इस फैसले को श्सनकश बताते हुए कहा कि इससे हर बार सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है। क्योंकि नाम बदलने में सरकारी खर्च भी होता है।

ऐसी योजना पर राजनीति की है, जो ग्रामीण भारत की आजीविका के लिए बेहद जरूरी है। सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा का न केवल नाम बदला है, बल्कि इसमें काम के दिनों से लेकर केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय व्यवस्था को भी बदल दिया है। जिसके बाद एक बार फिर से मोदी सरकार की नीयत पर विपक्ष सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर मनरेगा को बदलने के पीछे क्या मंशा ग्राम पंचायतों से अधिकार छीनने और उन्हें कमजोर करने की है।ज्ञात हो कि मंगलवार को मोदी सरकार ने लोकसभा में श्विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

दिन प्रति दिन जंगल कटे, कटते तरुवर गाँव।
साँसों का संकट बढ़ा, रोग पसारे पाँव।।
रोग पसारे पाँव, देह दुर्बल हो जाती।
रहता हृदय उदास, घड़ी जब अंतिम आती।।
जीवन रचना आज, कठिन आक्सीजन के बिन।
पेड़ लगाओ खूब, घटे मत जंगल हर दिन।।

दूषित होता जा रहा, क्यों इतना परिवेश।
साँसों का संकट बढ़ा, देता यह संदेश।।
देता यह संदेश, किसे यह दुख अब भाता।
वाहन बढ़ते रोज, धुआँ जो बढ़ता जाता।।
कहती रचना आज, करो मत इसको कलुषित।
चहुँ दिश का परिवेश, हुआ जो इतना दूषित।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सिर्फ यादें रह गईं

(धारावाहिक लघु उपन्यास) (भाग – 3)

लेखिका–अतिया नूर

मेरे हालात का असर मेरी सेहत पर पड़ा और प्रेग्नेंसी के दौरान मैं बहुत बीमार रहने लगी। शेखर ने उस वक्त कुछ हद तक मेरी देखभाल की और मेरा समीर इस दुनिया में आ गया।

नन्हा – मुन्ना बेहद खूबसूरत और मासूम था मेरा समीर। उसको पाकर मैं बहुत खुश थी, मुझे जीने का एक मकसद मिल गया था। मैं अपने दुख भूल गई और उसकी परवरिश में व्यस्त रहने लगी, हालांकि सही कहूं तो क्या परवरिश थी मेरी? छट्ठी के बाद से ही मुझे फिर से घर के कामों में लगा दिया गया था, मेरा बच्चा तो उस वक्त तक मेरी गोद में नहीं आता था, जब तक मैं घर के सारे काम नहीं निपटा लेती थी। अपने बच्चे को गोद में पाकर मैं खुश तो जरूर होती थी लेकिन ये खुशी बस उसकी तेल–मालिश, नहलाने–धुलाने और उसे खिलाने–पिलाने तक की होती थी, उसके बाद वो फिर अपनी दादी और बुआओं के पास रहता और मैं अपनी डयूटी पर३ जच्चगी के बाद कमजोर और थका जिस्म लिए शायद मैं शेखर के काम की भी नहीं रह गई थी ३।

जीवन का एक कडुवा सच तो ये भी है कि टूटे–फूटे, थके –हारे जिस्म से किसी का क्या काम, हालांकि औरत को तन–मन से अपने धर्म का निबाह करना ही चाहिए लेकिन जब शरीर साथ न दे तो वो क्या करे? जाहिर सी बात है कि आदिकाल से स्त्री–पुरूष का जुड़ाव इसी मर्म और धर्म पर ही तो टिका हुआ है३ लेकिन मैं ऐसी टूटी बिखरी कि इस मर्म और धर्म पर कभी खरी नहीं उतरी सो दूरियों में और इजाफा होता रहा और इसी तरह जिंदगी चलती रही।

समीर के आने के बाद से कभी– कभी मुझे शेखर के व्यवहार में बदलाव भी नजर आता था। अब वो अपने बच्चे और अपने खुद की घर–गृहस्थी को लेकर कुछ संजीदा हो रहे थे। कभी– कभी वो अपने घरवालों के क्रियाकलापों पर भी नजर डालते थे, कुछ हद तक वो उनकी हरकतों को समझने भी लगे थे। कभी– कभी घरवालों की हरकतें देख उनसे उलझ भी जाते थे लेकिन मेरे मामले में

वो वैसे ही थे, समय पड़ने पर उन्हीं का पक्ष लेते थे। शायद मुझसे खिंचे– खिंचे रहना उनका जन्मसिद्ध अधिकार बन चुका था।

शेखर को हमेशा से अपने खुद के मकान की चाह थी, वो जागती आंखों से उठते–बैठते इस सपने को पूरा करने की कोशिश में लगे रहते थे। उनका सोचना था कि जब खर्चे कम हों तभी मकान का बंदोबस्त कर लेना चाहिए, परिवार बढ़ने और बच्चों के पालन– पोषण की जिम्मेदारी से पहले अगर मकान बन जाए तो बाद में अनावश्यक तनाव से मुक्ति मिल जाती है। मेरे हिसाब से भी उनकी सोच सही और जायज थी।

घरवालों की जरूरतों को पूरा करने के बाद भी अच्छी–खासी सैलरी बच जाती थी, सो उन्होंने जल्द ही एक मकान खरीद लिया, हालांकि उन्होंने मुझसे कभी भी नहीं बताया न ही कोई सलाह–मशविरा लिया लेकिन उनके मकान खरीदते ही उनके घर में एक भूचाल सा आ गया। सबको लगा कि मैंने ही उनके मन में घरवालों से अलग होने की बात डाली है।

गजब का आलाप– विलाप शुरू हो गया। मैं उस समय उन सबके लिए खलनायिका जैसी हो गई थी, जिसके विनाश की पटकथा लिखी जाने लगी।

शेखर मुझे लेकर अपने नए घर में तो जा रहे थे मगर जाने से पहले उन्होंने मुझसे कुछ ऐसा कहा जिसे मैं जीवन भर नहीं भूल सकी। आज भी वो बात मुझे अक्षरशः याद है जब शेखर ने मुझसे कहा था कि– नए घर में चलो तब तुम्हें बताऊंगा३

वो क्या बताने वाले थे उस समय तो मैं नहीं समझ सकी लेकिन जब समझ में आया तो मैं फूट– फूट कर रोई और और इस बात की टीस ने मुझे जीवन भर उदास और शेखर से दूर रखा।

किसी तरह वो दिन भी करीब आ गया जब हम अपने नए घर में शिफ्ट हो गए। जाने से पहले मैंने सबको मनाने की कोशिश की, बेवजह क्षमा याचना की। अपने नए घर में अपने साथ सासू माँ को लेकर गई क्यूंकि मुझे लगता था कि अगर बुजुर्गों के कदम घर में पहले पड़ें तो ये मेरी और मेरे परिवार

की खुशियों का सबब बनेगा। मैं उस समय उम्र में तो बड़ी नहीं थी लेकिन मेरे संस्कार बहुत बड़े थे । मैं मानती थी कि बड़े बुजुर्गों का साथ और उनकी दुआएं नसीब वालों को ही मिलती हैं।

अपनी तरफ से मैं अपनी सास की सेवा का कोई भी अवसर नहीं चूकती थी। शेखर के सभी घर वालों के लिए भी अपनी जिम्मेदारी निभाने की हर कोशिश करती थी, कर्म करती थी और फल की इच्छा ईश्वर पर छोड़ देती

थी लेकिन मुझे अब समझ में आने लगा था कि शेखर नए घर में लाकर मुझे क्या बताने वाले थे। सही मायनों में यहां से उनके बुरे व्यवहार की पराकाष्ठा शुरू होने वाली थी। मैं उनकी साइकोलॉजी को समझ रही थी, यहां भी उनके घरवाले उनपर हावी थे, वो किसी भी हाल में ये नहीं चाहते थे कि मैं ये सोचूं कि शेखर मुझे अपने घर वालों की गलत हरकतों की वजह से लेकर अलग हुए हैं बल्कि वो मुझे इस हद तक जलील ओ खवार करने वाले थे और मेरे मन में ये बात बहुत अंदर तक भरने और जहर की तरह पिला देने वाले थे कि मुझमें इतनी बुराइयां भरी हैं कि जिसकी वजह से उनके घरवालों से उन्हें अलग होना पड़ा। शेखर बड़े ही सलीके से मुझपर

जुल्म ढाने लगे। उन्होंने मानसिक प्रताड़ना को अपना हथियार बना लिया।

मैं अपनी किस्मत पर दंग थी। जिंदगी की हकीकतों ने मुझे इस तरह मारा कि उम्र भर फिर कोई खुशी मुझे जिंदा नहीं कर सकी लेकिन जिंदा रहना ही था इसलिए जीती रही और जीवन का जहर पीती रही।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

धर्मेंद्र की याद में दोबारा रिलीज होगी 'यमला पगला दीवाना', मेकर्स बोले- इसकी री-रिलीज सिर्फ एंटरटेनमेंट का जरिया नहीं..

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र भले ही अब इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनके चाहने वाले आए दिन उन्हें किसी न किसी बहाने याद करते नजर आते हैं। वहीं, हाल ही में एनएच स्टूडियोज के मालिक श्रेयांश हिरावत ने धर्मेंद्र की यादों को सहेजते हुए उनकी सुपरहिट फिल्म 'यमला पगला दीवाना' को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज का फैसला लिया है। फिल्म के अधिकार रखने वाली कंपनी एनएच स्टूडियोज के मालिक श्रेयांश हिरावत ने 'यमला पगला दीवाना' की री–रिलीज को लेकर कहा– 'शुरुआत में हमारी योजना यह थी कि हम इस फिल्म को दिसंबर में धर्मेंद्र के जन्मदिन के आस–पास दोबारा रिलीज करेंगे। लेकिन धरम जी के निधन के बाद जो भावनात्मक माहौल बना, उसे देखते हुए हमें लगा कि थोड़ा रुकना बेहतर होगा। यह सिर्फ एक कमर्शियल फैसला नहीं था, बल्कि पूरी तरह भावनाओं से जुड़ा मामला था। हम चाहते थे कि जो भी कदम उठाया जाए, वह पूरे सम्मान और सही समय के साथ हो इसलिए हमने तय किया कि रिलीज को थोड़े समय के लिए आगे बढ़ाया जाए। हां, इतना तो तय है कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में लौटेगी।' फिल्म से जुड़ी यादें शेयर करते हुए श्रेयांश ने कहा, 'यह फिल्म हमारे लिए इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि 'यमला पगला दीवाना' हमने सीधे धर्मेंद्र जी से खरीदी थी। मुझे आज भी याद है, मुंबई में सनी सुपर साउंड के ऑफिस में जाकर हमने इस फिल्म के पेपर्स साइन किए थे। बात साल 2012 की है। उस समय मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में था और बिजनेस सीख रहा था। धर्मेंद्र जी, सनी देओल सर, सभी वहां मौजूद थे और उन्हीं के हाथों से हमने यह फिल्म ली थी। उस वक्त उनकी बातचीत, उनका भरोसा और उनका अपनापन, वही इस फिल्म को हमारे लिए हमेशा यादगार बनाए रखेगा।'श्रेयांश ने यह भी कहा कि 'यमला पगला दीवाना' देओल परिवार के लिए सिर्फ एक हिट फिल्म नहीं थी। वो कहते हैं, 'यह फिल्म देओल परिवार के लिए बहुत अहम रही। इससे पहले भी उन्होंने अपने–अपने स्तर पर काम किया था, लेकिन यह फिल्म एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बनी। धर्मेंद्र जी, सनी और बॉबी देओल को एक साथ इस तरह देखना दर्शकों को बेहद पसंद आया। यह

> धरम जी के निधन के बाद जो भावनात्मक माहौल बना, उसे देखते हुए हमें लगा कि थोड़ा रुकना बेहतर होगा। यह सिर्फ एक कमर्शियल फैसला नहीं था, बल्कि पूरी तरह भावनाओं से जुड़ा मामला था। हम चाहते थे कि जो भी कदम उठाया जाए, वह पूरे सम्मान और सही समय के साथ हो इसलिए हमने तय किया कि रिलीज को थोड़े समय के लिए आगे बढ़ाया जाए।

फ्रेंचाइजी उनके अपने घर से निकली और सीधे ब्लॉकबस्टर साबित हुई।'बातचीत के अंत में श्रेयांश कहते हैं, 'यह री–रिलीज सिर्फ हंसी और एंटरटेनमेंट का जरिया नहीं होगी, बल्कि यह धर्मेंद्र जी के लंबे और यादगार सिनेमाई सफर को सलाम करने का एक भावनात्मक अवसर भी बनेगी। देओल परिवार की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री और पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट एक बार फिर ऑडियंस को बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।'धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' है, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी।

बिग बॉस 19 जीतने के बाद गौरव खन्ना को लगा तगड़ा झटका, लॉन्च के 24 घंटे के भीतर ही यूट्यूब चौनल गायब!

रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विनर गौरव खन्ना के लिए जीत की खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई। शो जीतने के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने अपना यूट्यूब चौनल लॉन्च किया था, लेकिन महज 24 घंटे के भीतर ही उन्हें तगड़ा झटका मिल गया। गौरव का पहला वीडियो अचानक प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया और सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई कि उनका पूरा चौनल ही टर्मिनेट कर दिया गया है। गौरव खन्ना ने खुद इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपने यूट्यूब चौनल की शुरुआत की जानकारी दी थी। इस वीडियो में उन्होंने बताया था कि चौनल लॉन्च करने का पूरा श्रेय उनके करीबी दोस्त मृदुल तिवारी और प्रणित मोरे को जाता है। गौरव ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा था कि अगर उन्हें किसी टेक्निकल चीज की समझ नहीं आएगी तो वे सीधे इन्हीं दोनों को फोन करेंगे। अपने यूट्यूब वीडियो में गौरव ने 'बिग बॉस 19' को लेकर भी खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि लोग इस शो को सिर्फ लड़ाई–झगड़े से जोड़कर देखते हैं, लेकिन उन्होंने जानबूझकर इस रास्ते को नहीं चुना। गौरव ने उन आलोचकों को भी जवाब दिया जो मानते हैं कि उन्होंने शो में कुछ खास नहीं किया। उनके मुताबिक, बिना विवाद के भी शो जीतना संभव है। हालांकि, गौरव का यह वीडियो ज्यादा देर तक यूट्यूब पर टिक नहीं पाया। कुछ घंटों के भीतर ही वीडियो प्लेटफॉर्म से गायब हो गया। इतना ही नहीं, कई यूजर्स ने दावा किया कि गौरव का पूरा चौनल ही सर्च में नजर नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया पर लोग यह कयास लगाने लगे कि यूट्यूब ने गाइडलाइंस के उल्लंघन के चलते चौनल को टर्मिनेट कर दिया है।फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि वीडियो या चौनल हटाए जाने की असली वजह क्या है। यूट्यूब या गौरव खन्ना की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। फैंस अब खुद गौरव की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके। गौरव खन्ना ने 7 दिसंबर को हुए 'बिग बॉस 19' के ग्रैंड फिनाले में सबसे ज्यादा वोट हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की थी। फरहाना भट्ट इस सीजन की फर्स्ट रनर–अप रहीं, जबकि प्रणित मोरे सेकेंड रनर–अप बने। फिनाले के बाद एक भव्य सक्सेस पार्टी भी हुई, जिसमें शो के होस्ट सलमान खान समेत सभी कंटेस्टेंट्स शामिल हुए।

60 करोड़ के धोखाधड़ी केस में ईओडब्लयू ने जोड़ी नई धारा, शिल्पा-राज का आया रिएक्शन-हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय विवाद को लेकर लंबे से विवादों में घिरे हुए हैं। वहीं, इस धोखाधड़ी मामले को लेकर नया अपडेट सामने आया है। मामले की जांच कर रही ईओडब्लयू ने कथित 60 करोड़ के फ्रॉड केस की जांच को आगे बढ़ाते हुए शिल्पा और राज के खिलाफ इंडियन पीनल कोड की ध ाारा 420 (धोखाधड़ी) जोड़ दी है। इसी बीच हाल ही में राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे कारोबारी विवाद बताया है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह विवाद एक कारोबारी की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि व्यापारिक निवेश के नाम पर बड़ी रकम ली गई, लेकिन उसका इस्तेमाल निर्धारित उद्देश्य के बजाय अन्य कार्यों में किया गया। मामले में सामने आए दस्तावेजों और लेनदेन की जांच के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी की धारा जोड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में मुख्य शिकायत करने वाला ध ोखाधड़ी की रकम को देखते हुए जल्द ही सेंट्रल जांच एजेंसी ईडी से संपर्क कर सकता है। राज कुंद्रा ने इन सभी आरोपों से इनकार करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी और अपने एक्स अकाउंट पर लिखा–हम इन निराधार आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं। इन मुद्दों को बिना किसी कानूनी आधार के आपराधिक रंग दिया जा रहा है। हाई कोर्ट में इस मामले को रद्द करने के लिए याचिका दायर की जा चुकी है और उस पर सुनवाई बाकी है। हमने जांच में पूर्ण सहयोग किया है और हमें पूरा विश्वास है कि न्याय मिलेगा। हमें कानून भारतीय न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हम मीडिया से विनम्र निवेदन करते हैं कि वो संयम बरतें क्योंकि मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। वहीं, शिल्पा शेट्टी ने भी पति राज कुंद्रा के इन्हीं शब्दों को अपनी स्टोरी पर पोस्ट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें, बीते दिनों मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एजेंसियों ने दंपती के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था, ताकि वे बिना अनुमति देश से बाहर न जा सकें। इसके बाद हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कहा था कि अगर उन्हें विदेश जाना है तो विवादित राशि जमा की जाए या उसके बराबर की बैंक गारंटी पेश की जाए। फिलहाल इस पर कानूनी प्रक्रिया जारी है।

हैदराबाद में 'द राजा साब' के गाने के लॉन्च पर अभिनेत्री निधि अग्रवाल की सुरक्षा पर सवाल, बेकाबू भीड़ ने घेरा

प्रभास–स्टारर 'द राजा साब' अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में है। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म का गाना 'सहना सहना' लॉन्च करने के लिए हैदराबाद में एक इवेंट रखा। हालांकि, जब एक्ट्रेस निधि अग्रवाल वेन्यू से बाहर निकल रही थीं, तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ धक्का–मुक्की की, जिससे इवेंट में अफरा–तफरी मच गई। इवेंट के कई वीडियो ऑनलाइन सर्कुलेट हो रहे हैं, जिनमें निधि को वेन्यू से बाहर निकलते समय अपनी कार तक पहुंचने में संघर्ष करते हुए देखा जा सकता है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी फिल्म श्द राजा साबश के गाने श्सहना सहनाश के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं, जहां उन्हें फैंस ने घेर लिया था। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस घटना की आलोचना की है और प्लेटफॉर्म ग पर अपने विचार शेयर किए हैं। एक यूजर ने लिखा, ष्रुजैमत्वैइ गाने के लॉन्च पर रुछपकींप।हमतूंस को इस तरह भीड़ में घिरा देखकर बहुत डरावना लगा। यह फैनडम नहीं है... यह अराजकता है और पर्सनल सेफ्टी की पूरी तरह से अनदेखी है। भीड़ से थोड़ी समझदारी और सम्मान इस गड़बड़ी को रोक सकता था। सेलिब्रिटी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं हैं; बेसिक इंसानियत सबसे पहले आनी चाहिए।ष एक और यूजर ने लिखा, ष्इस तरह आप लोगों को भीड़ से नफरत करवाते हैं।

निधि अग्रवाल का वर्क फ्रंट

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि निधि अग्रवाल ने 2017 में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म श्मुन्ना माइकलश से एक्टिंग डेब्यू किया था। बाद में वह श्सव्यासाचीश, शमिस्टर मजनूश, श्हरि हारा वीरा मल्लूश और अन्य फिल्मों में नज़र आईं। वह अगली बार प्रभास के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म श्द राजा साबश में नज़र आएंगी। यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

द राजा साब के बारे में

मारुति द्वारा निर्देशित, द राजा साब प्रभास की हॉरर जॉनर में पहली फिल्म है – जो सुपरस्टार के लिए एक पूरी तरह से जॉनर में बदलाव है। ट्रेलर में एक्टर को एक ट्रांस जैसी सीक्वेंस में और एक डरावनी सुपरनैचुरल ताकत का सामना करते हुए दिखाया गया है। द राजा साब का निर्देशन मारुति ने किया है और इसमें संजय दत्त, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार भी हैं। यह फिल्म, जिसकी आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में हुई थी, की शूटिंग अक्टूबर 2022 में शुरू हुई थी। कई देरी के बाद, यह 9 जनवरी, 2026 को संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

कैटरीना-विक्की से लेकर कियारा-सिद्धार्थ तक.. 2025 में इन कपल्स को मिला पेरेंट्स बनने का सुख, पहली बार आंगन में गूंजी किलकारी

साल 2025 महज कुछ दिनों में खत्म होने को है और यह वर्ष लोगों को कई खट्टी–मीठी यादें देकर जा रहा है। वहीं, बॉलीवुड सितारों के लिए ये साल बेहद खास और यादगार साबित हुआ। इस साल कई फेमस कपल्स के घर बच्चे के किलकारियां गूंजी, जिससे उनकी सुनी गोद भर गई और आंगन चहक उठा। तो आइए जानते हैं उन बॉलीवुड कपल्स के बारे में, जो साल 2025 में माता–पिता बने। बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय कपल्स में शामिल विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने शादी के बाद इस साल अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। कैटरीना ने नवंबर 2025 में पति विक्की के बेटे को जन्म दिया। हालांकि, कपल ने अब तक न तो अपने बेटे की झलक सार्वजनिक की है और न ही उसका नाम रिवील किया है। बेहतरीन अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा भी इस साल माता–पिता बने। नवंबर 2025 में पत्रलेखा ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया। इस खुशी को कपल ने बेहद सादगी के साथ सेलिब्रेट किया। फैंस के चहेते कपल्स में से एक सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने भी इस साल अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। उनके घर जुलाई 2025 में नन्ही परी का आगमन हुआ। कपल ने अपनी बेटी का नाम सारायाह मल्होत्रा रखा है। हालांकि, अब तक उन्होंने अपनी बेटी का चेहरा नहीं दिखाया है और उसकी प्राइवेसी का पूरा ध्यान रख रहे हैं। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राजनेता राघव चड्ढा भी इस साल माता–पिता बने। परिणीति ने एक बेटे को जन्म दिया, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ शेयर की। पोस्ट में उन्होंने भावुक शब्दों में लिखा कि अब उनका परिवार पूरा हो गया है। एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान और उनकी पत्नी शूरा के घर अक्टूबर 2025 में खुशियों ने दस्तक दी। शूरा ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम कपल ने सिपारा रखा है। बेटी के जन्म के बाद से दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं और इस नए सफर को एंजॉय कर रहे हैं। क्रिकेटर केएल राहुल और एक्ट्रेस अथिया शेट्टी भी 2025 में पेरेंट्स बने। फरवरी में अथिया ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम इवारा रखा गया है। इस खुशी के साथ एक्टर सुनील शेट्टी नाना भी बन गए, जिसे लेकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। कुल मिलाकर साल 2025 बॉलीवुड सितारों के लिए सिर्फ करियर ही नहीं, बल्कि पर्सनल लाइफ के लिहाज से भी बेहद खास रहा। इन कपल्स के घर आए नन्हे मेहमानों ने फैंस को भी खुशियों से भर दिया और सोशल मीडिया पर बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी रहा।

बड़े काम की हैं किचन में रखी ये चीजे, पूरी सर्दी बच्चे को नहीं होने देगी सर्दी–जुकाम

ठंड के मौसम में शिशुओं को सर्दी–जुकाम होना बहुत आम है। ऐसे में दवाओं से पहले घर की रसोई में मौजूद कुछ सुरक्षित चीजें सही तरीके से इस्तेमाल की जाएं तो बच्चे को काफी राहत मिल सकती है। यहां जानिए किचन में मौजूद 3 चीजें, जो सर्दी में शिशु को सर्दी–जुकाम से बचाने में मदद करती है। अजवाइन में गर्म तासीर होती है, जो बलगम ढीला करने और नाक खोलने में मदद करती है। एक पैन में 1द्2 चम्मच अजवाइन हल्की गर्म करें। उसे साफ कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। इस पोटली को शिशु की छाती या पीठ के पास रखें (सीधे त्वचा पर नहीं)। इससे बच्चे की नाक बंद, सीने की जकड़न और खांसी में राहत मिलती है। लहसुन में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। 1द्2 लहसुन की कली सरसों के तेल में हल्की गर्म करें तेल गुनगुना होने पर बच्चे के सीने, तलवों और पीठ पर हल्की मालिश करें। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है और सर्दी–जुकाम में आराम मिलता है। देसी घी शिशु के शरीर को अंदर से पोषण और गर्माहट देता है। अगर बच्चा 6 महीने से ऊपर' है, तो 1–2 बूंद गुनगुना घी नाक के बाहर या तलवों पर लगाया जा सकता है। स्तनपान कराने वाली मां घी का सेवन करे, तो इसका फायदा बच्चे को भी मिलता है।

नोटः कोई भी चीज खिलाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत या जुकाम 3द्4 दिन से ज्यादा रहे तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। ये चीजें हल्की सर्दी–जुकाम में शिशु को सुरक्षित राहत दे सकती हैं, लेकिन ये डॉक्टर की दवा का विकल्प नहीं हैं।

यहां झड़ते बालों के लिए मांगी जाती है दुआ, गंजापन होता है दुर, जानें कहां है ये अनोखा मंदिर

दुनिया में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी मान्यताएं लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर जापान में स्थित है, जहां लोग धन, सुख या सफलता के लिए नहीं, बल्कि झड़ते बालों और गंजेपन से राहत के लिए प्रार्थना करने पहुंचते हैं। इस मंदिर का नाम है मिकामी श्राइन।

कहां स्थित है यह मंदिर?

मिकामी श्राइन जापान के क्योटो शहर के अराशियामा इलाके में, मशहूर बैंबू फॉरेस्ट के पास स्थित है। अपनी अनोखी मान्यता के कारण यह मंदिर इन दिनों दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बालों की सेहत के लिए होती है पूजा

आज के समय में बाल झड़ने की समस्या आम हो गई है। ऐसे में मिकामी श्राइन उन लोगों के लिए उम्मीद की जगह बन गया है, जो हेयर फॉल और गंजेपन से परेशान हैं। यहां लोग बालों की सेहत के लिए चिट्ठी लिखते हैं और खास अनुष्ठान करते हैं। इस मंदिर की स्थापना 1960 में हुई थी। मिकामी श्राइन को फुजीवारा उनेमेनोसुके मसायुकी को समर्पित किया गया है, जिन्हें जापान का पहला हेयरड्रेसर माना जाता है। उनके सम्मान में आज भी जापान के कई नाई और हेयर सैलून हर महीने 17 तारीख को अपनी दुकानें बंद रखते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन भी आते हैं यहां

माना जाता है कि इसी वजह से आज भी बड़ी संख्या में बार्बर, हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन इस मंदिर में आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। वे अपने काम और बालों की सेहत से जुड़ी परेशानियों के समाधान की कामना करते हैं। हाल ही में ट्रैवलर और कंटेंट क्रिएटर शर्विन अब्दोलहामिदी ने इस मंदिर में अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद यह मंदिर सुर्खियों में आ गया। शर्विन ने बताया कि उन्होंने यहां 'कम्पात्सु' नामक अनुष्ठान किया। इसमें श्रद्धालु को एक लिफाफा खरीदना होता है, जिस पर अपना नाम और जन्मतिथि लिखी जाती है। इसके बाद शिंतो पुजारी बालों की एक छोटी लट काटकर उस लिफाफे में रखते हैं और बालों की सेहत के लिए प्रार्थना करते हैं।

क्यों खास है मिकामी श्राइन?

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मंदिर केवल आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह बताता है कि जब इलाज सीमित हो, तब उम्मीद और विश्वास भी इंसान के लिए बड़ी ताकत बन सकते हैं।

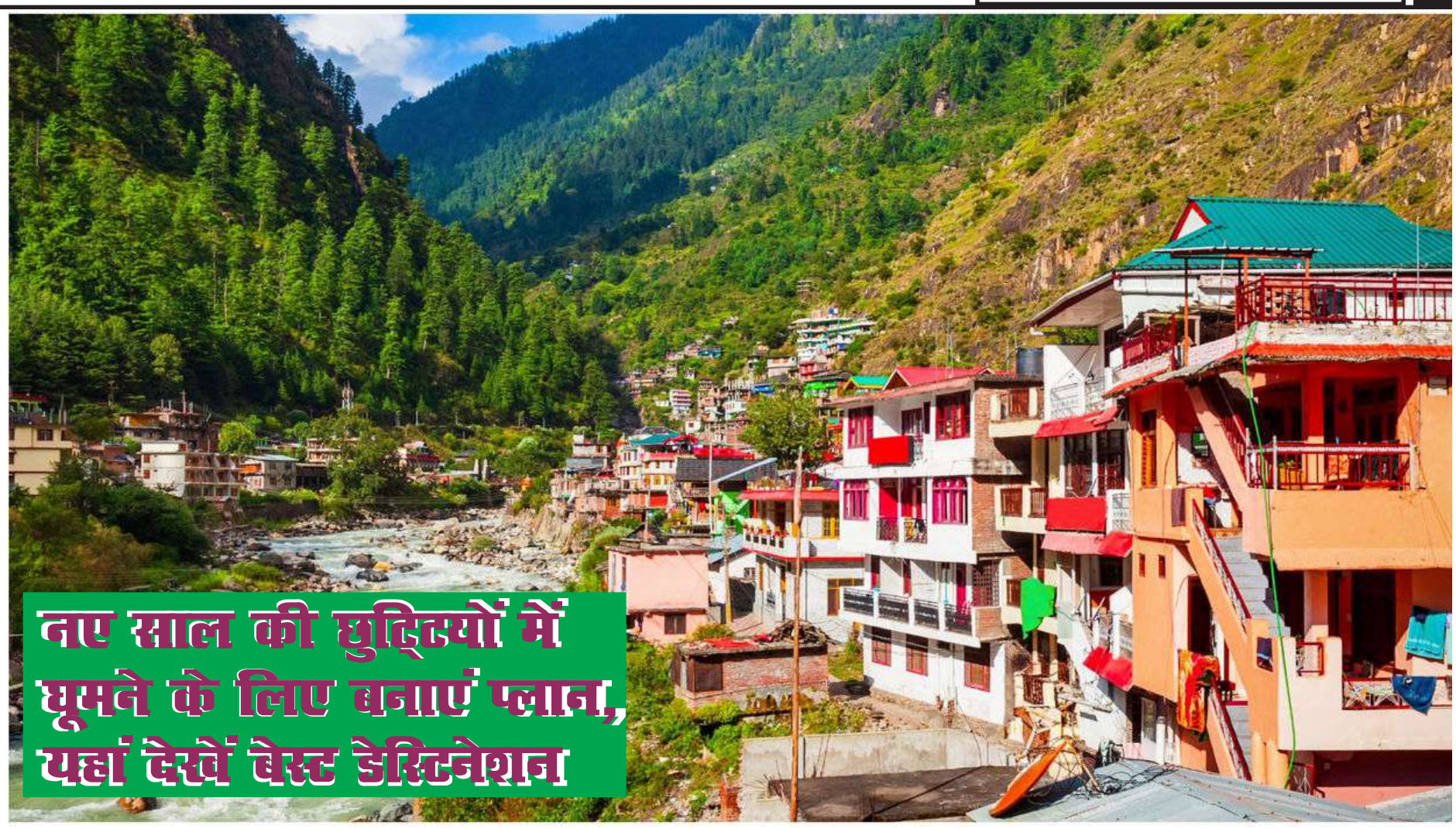

नए साल की छुट्टियों में घूमने के लिए बनाएं प्लान, यहां देखें बेस्ट डेस्टिनेशन

अगर आप भी नया साल सेलिब्रेट करने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रहे हैं, तो आप भी अभी से नए साल की छुट्टियों की योजना तैयार कर लें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

साल 2025 अब धीरे–धीरे खत्म होने को है। यह साल भी हर साल की तरह अपनी रफ्तार से बीत रहा है। दिसंबर की ठंड जैसे ही नजदीक आ रही है, तो मन में सवाल उठता है कि नए साल पर कहां घूमने के लिए जाएं। बता दें कि नया साल सिर्फ पार्टी करने का दिन नहीं बल्कि बीते साल की थकान को मिटाकर नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने का भी मौका है। इसलिए जहां कहीं भी जाएं, खुद को खुश रखें और सुकून ढूंढें। ऐसे में अगर आप भी नया साल सेलिब्रेट करने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप भी अभी से नए साल की छुट्टियों की योजना तैयार कर लें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

शिमला

बर्फ के बीच नए साल का स्वागत करना है, तो आपको शिमला जाना चाहिए। वहीं अगर आप भी सर्दियों का जादू और बर्फ की चादर में लिपटी वादियों को देखना चाहते हैं, तो शिमला से बेहतर जगह और कोई नहीं है। यहां पर आप मॉल रोड की रौनक, लाइट्स और बर्फबारी में थिरकती भीड़ आपका दिल जीत लेगी। दोस्तों के ग्रुप और कपल्स के लिए शिमला बेस्ट जगह है। आप यहां पर न्यू ईयर के जश्न के दौरान बोनफायर का भी लुत्फ उठा सकते हैं। आप मॉल रोड पार्टी कर सकते हैं और घूमने के लिए क्राइस्ट चर्च जा सकते हैं।

गोवा

नए साल की पार्टी करनी हो और गोवा का नाम न आए। तो ऐसा हो ही नहीं सकता है। 31 दिसंबर की रात गोवा के बीच पर आतिशबाजी, विदेशी म्यूजिक और डांस फ्लोर की धूम आपको एक अलग ही एनर्जी देने का काम करती है। पार्टी लवर्स के लिए गोवा बेस्ट है और यहां के बीच पर आप पार्टी कर सकते हैं। वहीं सनसेट डिनर और बीच कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

मनाली

अगर आपको एडवेंचर और सुकून दोनों चाहिए तो मनाली एक परफेक्ट ऑप्शन है। नए साल पर यहां लाइव म्यूजिक, कैफे कल्चर, ट्रेकिंग और तारों के नीचे बिताए गई रात कई यादें दे जाएगी। अगर आप मनाली जा रहे हैं, तो सोलांग वैली, कसोल और लाइव कैफे का आनंद उठाना न भूलें।

जयपुर

अगर आप नए साल का स्वागत रॉयल अंदाज में करना चाहते हैं, तो आपको जयपुर आना चाहिए। यहां की लाइट डेकोरेशन, हेरिटेज होटल और राजस्थानी खाने के साथ 31 दिसंबर की रात राजसी एहसास दिलाएगी। फैमिली और कपल्स के लिए यह जगह बेस्ट है। इसके साथ ही आपको यहां पर चोखी ढाणी और फूड फेस्टिवल्स का भी आनंद उठाना चाहिए।

सर्दियों में नहीं फटेंगे गाल, रात के सोते समय चेहरे पर इस तरह से लगाएं कैस्टर ऑयल, स्किन होगी ग्लोइंग

सर्दियों के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित हमारी स्किन होती हैं। सर्द हवाओं बचने के लिए हम सभी पूरे शरीर को गर्म कपड़ों से ढक लेते हैं, लेकिन सर्दियों में हमारी स्किन पर ज्यादा ही प्रभाव पड़ता है। यदि आप विंटर में स्किन संबंधित प्रॉब्लम से परेशान हैं, तो आप अपने चेहरे पर हो रही इन समस्याओं को कम करना चाहती हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरुरत नहीं हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे उपाय बताएंगे, जिसे आप रात में सोने से पहले ट्राई करके अपने चेहरे की खूबसूरती बरकरार रख सकते हैं। इसके साथ ही स्किन को मुलायम और खूबसूरत भी बना सकते हैं।

चेहरे पर कैस्टर ऑयल लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट बताते हैं कि यदि आप भी सर्दियों में स्किन फटने की समस्या का सामना कर रही हैं और अपनी स्किन को मुलायम बनाने के लिए बाजार के महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं, तो आप अब घर पर रहकर कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल कर स्किन को सॉफ्ट बना सकती हैं। आइए आपको बताते हैं कैस्टर ऑयल के इस खास मिश्रण को कैसे तैयार करें।

कैस्टर ऑयल से मिश्रण बनाने के लिए सामग्री

– कैस्टर ऑयल
– नारियल का तेल
– विटामिन ई कैप्सूल
– ग्लिसरीन

कैस्टर ऑयल से मिश्रण बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप एक कटोरी में कैस्टर ऑयल लें।

– अब इसमें कुछ बूंदें नारियल के तेल की मिला दें। इन दोनों को अच्छे से मिला लें।

– इसके बाद इसमें थोड़ा ग्लिसरीन की बूंद मिक्स कर थोड़ा विटामिन ई कैप्सूल भी एड ऑन कर सकते हैं।

– अब यह मिश्रण बनकर तैयार है, इसे आप एक एयरटाइट डिब्बे में भरकर रख दें।

– इसको आप रोजाना रात में सोने से पहले अपने चेहरे पर इस्तेमाल करें।

– इस मिश्रण को आप अपने चेहरे पर कम से कम 25 मिनट तक लगाकर रख सकते हैं।

– इसके इस्तेमाल से आपको काफी फर्क मिलेगा।

– यदि आप इस मिश्रण का पहली बार इस्तेमाल कर रहे हैं, तो पहले पैच टेस्ट जरुर करें।

– आप चाहे तो डायरेक्ट कैस्टर ऑयल से भी चेहरे की मसाज कर सकते हैं।

सर्दियों में हेल्दी रहने के लिए इन खाद्य पदार्थों का सेवन, जानिए क्या कहता है आयुर्वेद

सर्दियों का मौसम सिर्फ ठंड का एहसास नहीं लाता, बल्कि यह मौसम हमारे शरीर को गर्म और हेल्दी बनाए रखने की चुनौती भी पेश करता है। आयुर्वेद जीवन और स्वास्थ्य का विज्ञान है, सर्दियों के दौरान डाइट और लाइफस्टाइल पर विशेष ध्यान देने की सलाह देता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में आयुर्वेद के मुताबिक कैसे हेल्दी रह सकते हैं।

सर्दियों का खानपान

सर्दियों में खानपान को औषधि के रूप में देखा जाता है। सर्दियों के साथ हमारे शरीर की पाचन अग्नि भी बदलती है। वहीं सर्दियों में पाचन अग्नि तेज होती है, इसलिए पोषण से भरपूर और गर्म तासीर वाले भोजन का सेवन करना चाहिए। ठंडे और कच्चे खाद्य पदार्थों से बचें, क्योंकि यह शरीर को सुस्त बना सकते हैं।

घी और तेल

नारियल तेल, घी और सरसों के तेल का उपयोग करना चाहिए। यह स्किन की नमी को बनाए रखने के साथ शरीर को भीतर से गर्म रखते हैं।

मसाले

काली मिर्च, अदरक, हल्दी और दालचीनी जैसे मसाले न सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ाते हैं। बल्कि शरीर को सर्दियों में भी गर्म रखते हैं।

सर्दियों की सुपरफूड सब्जियां

शकरकंद, गाजर, चुकंदर और मूली जैसी सब्जियों में विटामिन और मिनरल्स पाया जाता है। यह पेट को भरा हुआ महससू कराती है और आप ओवरईटिंग से बच जाते हैं। इसका रोजाना सेवन ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और ऊर्जा बनाए रखने में सहायक होती हैं।

साबुत अनाज का महत्व

सर्दियों में साबुत अनाज जैसे ओट्स, जौ और मक्का ऊर्जा का बेहतरीन स्त्रोत होता है। यह शरीर को गर्म रखने के साथ ही पाचन को भी सुधारता है। साबुत अनाज को भोजन में शामिल करने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है।

गर्म पेय और सूप का सेवन

सर्दियों में ठंडे पेय पदार्थों की जगह गर्म पेय जैसे अदरक–हल्दी वाला दूध, हर्बल चाय और सब्जियों का सूप पीना चाहिए। यह न सिर्फ शरीर को गर्म रखते हैं, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

व्यायाम और मालिश

सर्दियों में रोजाना व्यायाम करने से शरीर सक्रिय बना रहता है। इसके साथ ही गर्म तेल से शरीर की मालिश करने से स्किन को मुलायम और ऊर्जावान बनाता है। व्यायाम और मालिश करने से शरीर ठंड से बचने का सबसे बेहतर तरीका है।

जंक फूड छोड़ें और देसी भोजन अपनाएं

सर्दियों में जंक फूड की जगह देसी और गर्म तासीर वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इस दौरान उपवास करने से बचें, क्योंकि यह पाचन अग्नि को नुकसान पहुंचा सकता है। संतुलित और नियमित आहार से वात दोष को कंट्रोल किया जा सकता है।

संक्षिप्त

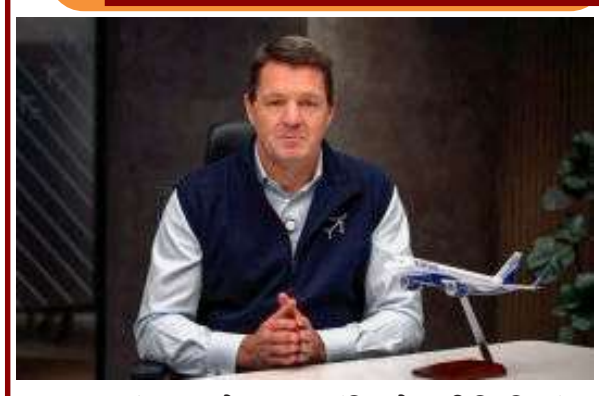

उड़ान संकट के बाद इंडिगो 'रीबिल्डिंग मोड' में, CEO पीटर एल्बर्स किन तीन चीजों को दे रहे प्राथमिकता?

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में इस महीने की शुरुआत में बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द होने से यात्रियों को हुई भारी परेशानी के बाद कंपनी अब पुनर्निर्माण और स्थिरता पर फोकस कर रही है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ब्म्) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कर्मचारियों को भेजे एक वीडियो संदेश में कहा कि एयरलाइन की मौजूदा प्राथमिकताएं रेजिलिएंस (लचीलापन), रूट–कॉज एनालिसिस और रीबिल्डिंग हैं।

एयरलाइन का ध्यान इन तीन चीजों पर है

एल्बर्स ने कहा कि 9 दिसंबर को परिचालन स्थिर होने की जानकारी साझा की गई थी और इसके बाद गुरुवार तक इंडिगो ने अपना नेटवर्क बहाल करते हुए करीब 2,200 उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब हमारा ध्यान तीन चीजों पर है रेजिलिएंस, मूल कारणों का विश्लेषण और एयरलाइन का पुनर्निर्माण।

सीईओ ने बताया कि बोर्ड ने एक बाहरी विमानन विशेषज्ञ को नियुक्त किया है, जो हालिया परिचालन अव्यवस्था के पीछे के कारणों की व्यापक जांच करेगा। उनके मुताबिक, उड़ानें रद्द होने की स्थिति कई कारकों के संयुक्त प्रभाव का नतीजा रही। इस बीच इंडिगो के प्रवक्ता का कहना है कि 9 दिसंबर 2025 से पूरे नेटवर्क में 1,800 से अधिक उड़ानों के साथ परिचालन पूरी तरह से स्थिर होने के बाद, इंडिगो धीरे–धीरे और सावधानीपूर्वक क्षमता बढ़ा रही है और संशोधित कार्यक्रम के अनुसार आज 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करेगी।

इंडिगो के शीर्ष नेतृत्व नेटवर्क की नई रणनीति

एल्बर्स ने यह भी कहा कि वह और इंडिगो का शीर्ष नेतृत्व नेटवर्क के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेगा, ताकि ग्राउंड स्टाफ और अन्य कर्मचारियों से सीधे मुलाकात कर उन चुनौतियों को समझा जा सके, जिनका उन्हें इस संकट के दौरान सामना करना पड़ा। इस दौरान एयरपोर्ट्स पर तैनात कर्मचारियों को यात्रियों के गुस्से और असंतोष का सामना करना पड़ा था। बता दें कि है कि 1 से 9 दिसंबर के बीच इंडिगो ने हजारों उड़ानें रद्द कीं। इसका मुख्य कारण पायलटों की ड्यूटी और विश्राम अवधि से जुड़े नए डीजीसीए नियमों को लागू करने में योजना की कमी और क्रू शॉर्टेज बताया गया। ये नियम 1 नवंबर से प्रभावी हुए थे। इस मामले में डीजीसीए की एक समिति पहले से जांच कर रही है, जबकि केंद्र सरकार ने भी कार्रवाई करते हुए इंडिगो के शीतकालीन शेड्यूल में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है।

रुपये ने शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में किया कारोबार

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। विदेशी पूंजी के नए प्रवाह से मिलने वाला समर्थन व्यापार समझौते की अनिश्चितता और जोखिम से बचने की धारणा से बेअसर हो गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति की कमी और कंपनियों एवं आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि ब्रेंट क्रूड की कीमतें 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब रहने से निवेशकों का मनोबल थोड़ा बढ़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत हुआ और 90.32 प्रति डॉला तक पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 90.38 तक भी पहुंचा था। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 114.06 अंक टूटकर 84,445.59 अंक पर जबकि निफ्टी 41.10 अंक फिसलकर 25,777.45 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60.08 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,171.71 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सरकार का लक्ष्य राजमार्ग निर्माण की गति बढ़ाकर 60 किलोमीटर प्रतिदिन करना : गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य देश में राजमार्ग निर्माण की गति को बढ़ाकर 60 किलोमीटर प्रतिदिन करना है। टाइम्स नेटवर्क के इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025 में गडकरी ने कहा कि केंद्र की प्रमुख भारतमाला परियोजना के तहत फिलहाल कोई नई परियोजना शुरू नहीं होने के कारण देश में राजमार्ग निर्माण की रफ्तार धीमी हो गई है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य देश में राजमार्ग निर्माण की गति को 60 किलोमीटर प्रतिदिन तक तेज करना है। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य अगले 8द्10 वर्षों में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान पर लाना है। इस समय अमेरिका के वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है, इसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है। मंत्री ने कहा कि भारत की जीडीपी वृद्धि को तेज करने के लिए कृषि पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दिखाया दम, बढ़त लेने के करीब; स्टोक्स–आर्चर ने इंग्लैंड को संभाला

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीसरे एशेज टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। इंग्लैंड ने स्टंप्स तक पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह फिलहाल ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे चल रहा है। दिन के खेल की समाप्ति तक बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर क्रीज पर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए थे।

स्टोक्स–आर्चर क्रीज पर मौजूद

पैट कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया था और इंग्लैंड को लगातार झटके दिए। हालांकि, कप्तान स्टोक्स दूसरे छोर पर टिके रहे। उनका साथ जोफ्रा आर्चर ने निभाया। इन दोनों बल्लेबाजों ने नौवें विकेट के लिए अब तक 45 रनों की साझेदारी कर ली है। स्टोक्स 45 और आर्चर 30 रन बनाकर खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए कमिंस ने तीन विकेट लिए हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन को दो–दो सफलता मिली है। कैमरन ग्रीन को एक विकेट मिला है।

इंग्लैंड को लगे शुरुआती झटके

इससे पहले, कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन ने शानदार गेंदबाजी की जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड को पहली पारी में शुरुआती झटके दिए। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद उतरी इंग्लैंड को जैक क्रावले और बेन डकेट ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े, लेकिन कमिंस ने क्रावले को आउट कर इंग्लैंड को पहला झटका दिया। क्रावले नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद लियोन ने ओली पोप को अपना शिकार बनाया दो तीन रन ही बना सके। लियोन ने फिर डकेट को बोल्ड कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। डकेट 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया के लिए जो रूट खतरा बन सकते थे, लेकिन कमिंस ने उन्हें आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। रूट 19 रन बनाकर आउट हुए।

स्टोक्स–ब्रूक के बीच हुई साझेदारी

शुरुआती झटकों के बाद स्टोक्स और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई जिससे इंग्लैंड का स्कोर 120 रन के पार पहुंच गया। यह साझेदारी और बड़ी होती उससे पहले ही ग्रीन ने ब्रूक को आउट कर दिया। ब्रूक 63 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टोक्स ने जैमी स्मिथ के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों के बीच 32 रनों की साझेदारी हुई। कमिंस ने फिर स्मिथ को आउट किया जो 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर बोलैंड ने पहले विल जैक्स को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवीं सफलता दिलाई जो छह रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने फिर ब्राइडन कार्स को खाता खोले बिना आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के करियर के तीसरे शतक और उस्मान ख्वाजा की 82 रन की लाजवाब पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में अच्छा स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन आठ विकेट पर 326 रन से शुरुआत की। मिचेल स्टार्क ने शानदार अर्धशतक लगाया जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 350 रन के पार पहुंचा। जोफ्रा आर्चर ने स्टार्क को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। स्टार्क 75 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लियोन और बोलैंड ने आखिरी विकेट के लिए 23 रन जोड़े जिससे ऑस्ट्रेलिया 370 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। आर्चर ने हालांकि, लियोन को अपना शिकार बनाया और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी समाप्त कर दी। लियोन नौ रन बनाकर आउट हुए, जबकि बोलैंड 14 रन बनाकर नाबाद लौटे।

शुभमन गिल को पैर के अंगूठे में चोट लगी, आखिरी दो टी20 से बाहर रहने की संभावना

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के उप कप्तान शुभमन गिल पैर के अंगूठे में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। पता चला है कि गिल को ट्रेनिंग सत्र के दौरान चोट लगी और उनके जल्दी ठीक होने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''शुभमन ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से एक दिन पहले नेट में लंबे बल्लेबाजी सत्र में हिस्सा लिया था। सत्र के आखिर में उनके पैर के अंगूठे पर चोट लग गई। उन्हें दर्द हो रहा था और वह लंगड़ा रहे थे। बुधवार को उनके लिए खेलना मुश्किल होता इसलिए वह टीम के साथ नहीं आए क्योंकि उनके इस मैच में खेलने की बहुत कम संभावना थी।'' उन्होंने कहा, ''इस समय यह कहना मुश्किल है कि वह अहमदाबाद में खेलेंगे या नहीं।'' न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला टी20 विश्व कप से पहले भारत की आखिरी श्रृंखला है और उस द्विपक्षीय सीरीज और विश्व कप के लिए टीम समान रहने वाली है इसलिए राष्ट्रीय चयन समिति और टीम प्रबंधन अपने शीर्ष क्रम के एक विशेषज्ञ बल्लेबाज को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरतना चाहेंगे। गिल कोलकाता में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन लगी गर्दन की चोट के कारण दक्षिण के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय श्रृंखला से भी बाहर हो गए थे जिसके लिए उन्हें दो दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। वह गुवाहाटी टेस्ट और उसके बाद की एकदिवसीय श्रृंखाल से भी बाहर रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें फिट घोषित कर दिया था जबकि आलोचक संजू सैमसन से पहले टीम में उनकी जगह पर सवाल उठा रहे थे जिन्होंने पिछले सत्र में तीन शतक लगाए थे। सीरीज में गिल का प्रदर्शन खराब रहा है।

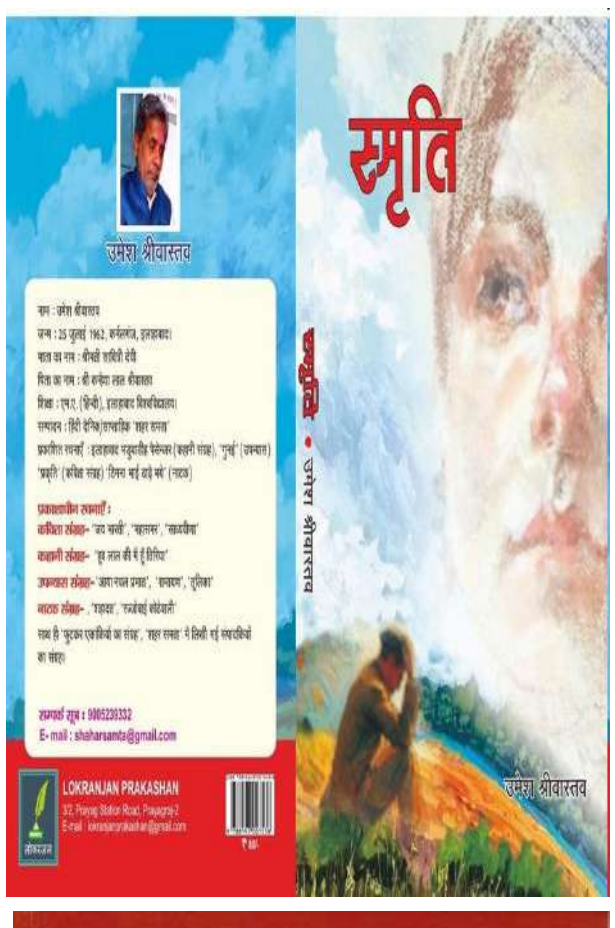

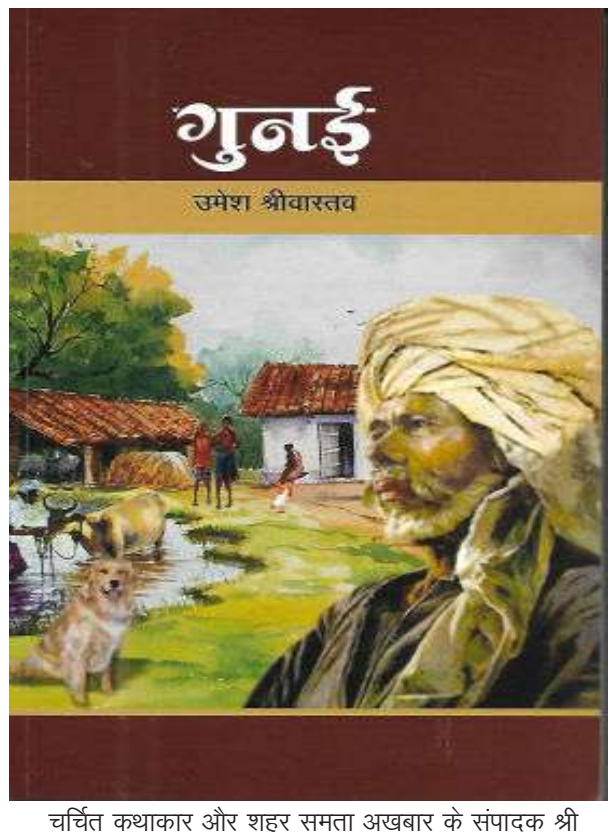

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

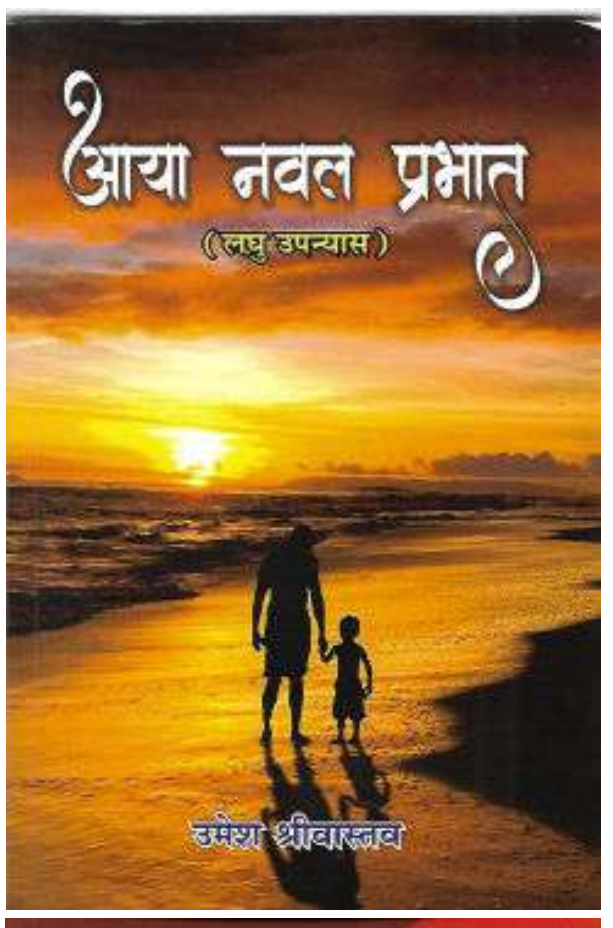

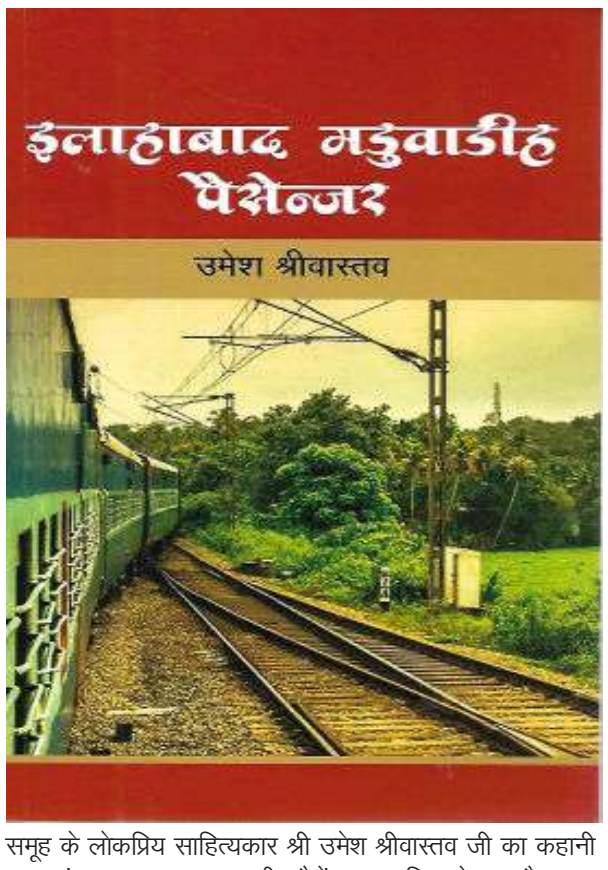

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

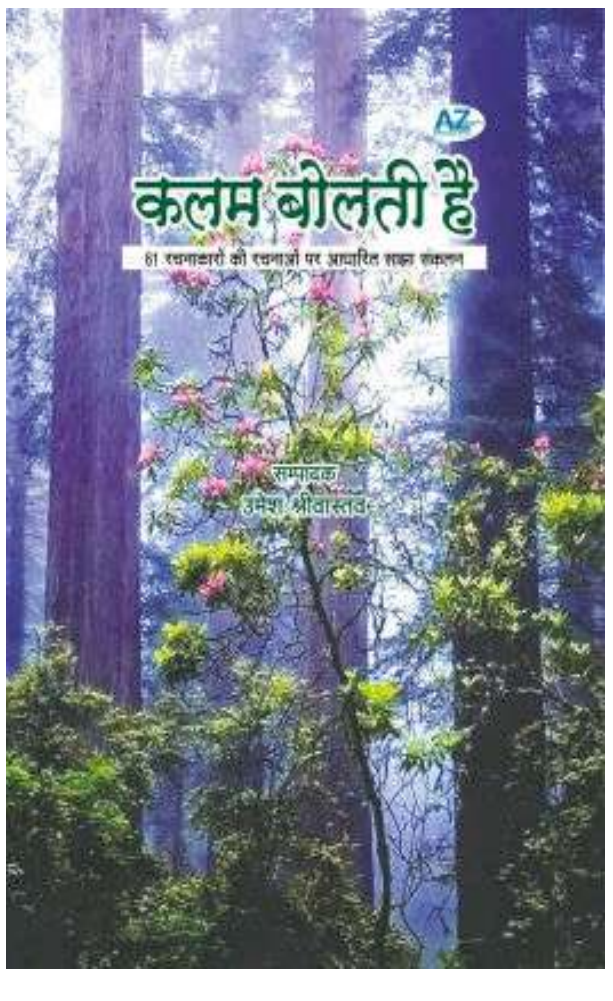

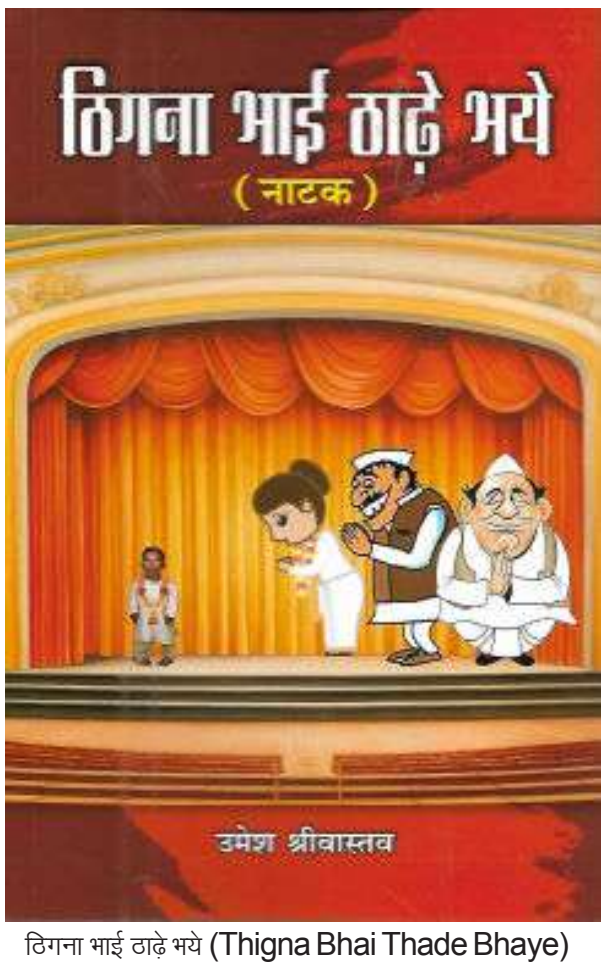

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ट्रंप का अब तक का सबसे बड़ा 'प्रहार', 39 देशों के लोगों के लिए अमेरिका में No Entry!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार यानी 16 दिसंबर को एक नया घोषणापत्र प्रोक्लेमेशन पर साइन कर दिए हैं। इससे अमेरिका में एंट्री पर पूरी तरह से या पार्शियल बैन वाले देशों की संख्या 19 से बढ़कर 39 हो गई है। यह बदलाव 1 जनवरी 2026 से लागू होंगे। व्हाइट हाउस के मुताबिक यह प्रतिबंध उन देशों पर लगाए गए हैं जहां स्क्रीनिंग, वेटिंग लिस्ट और जानकारी साझा करने में गंभीर कमियां हैं। इसका मकसद अमेरिका की राष्ट्र सुरक्षा, आतंकवाद विरोध और इमीग्रेशन कानून को मजबूत करना है। कई देशों में आतंकवादी गतिविधियां, भ्रष्टाचार और वीजा ओवरस्टे की हाई फ्रीक्वेंसी को इसकी वजह बताया गया है। जिन लोगों के पास पहले से वीजा है, जो अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं, जो राजनयिकों या खिलाड़ियों जैसी कुछ विशेष वीजा श्रेणियां के तहत अमेरिका आते हैं या जिनका अमेरिका में प्रवेश देश के हित में माना जाता है, उन्हें इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। घोषणा में कहा गया है कि ये बदलाव एक जनवरी से प्रभावी होंगे। जून में ट्रंप ने घोषणा की थी कि 12 देशों के नागरिकों को अमेरिका आने से प्रतिबंधित किया जाएगा। आपको बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी मुस्लिम बहुल देशों पर ट्रैवल बैन लगाया था। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी थी। बाइडन जब आए तो उन्होंने यह ट्रैवल बैंड्स हटा दिए। अब दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने एक बार फिर से यह कारवाही शुरू कर दी है। जनवरी 2025 से ट्रंप ने इमीग्रेशन को सख्त करना शुरू कर दिया था। जून महीने में 19 देशों पर बैन लगाया गया। नवंबर में वाशिंगटन में एक अफगान व्यक्ति द्वारा नेशनल गार्ड पर हमले के बाद ट्रंप ने और सख्ती की बात कही। दिसंबर में यह विस्तार हुआ। वाइट हाउस का कहना है कि यह डाटा आधारित फैसला है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह फैसला जरूरी है। हालांकि कई संगठनों ने इसकी आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कई देशों के लोगों को अनुचित तरीके से प्रभावित करेगा।

पर्यटक अमेरिका में कितने समय तक रह सकते हैं? दूतावास ने वीजा एक्सायरी डेट पर क्या नया अपडेट दिया?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आव्रजन पर की जा रही सख्ती के बीच, भारत में अमेरिकी दूतावास ने अमेरिका में किसी विदेशी के रहने की अवधि से संबंधित एक महत्वपूर्ण बिंदु को दोहराया है। एक्स पर एक पोस्ट में दूतावास ने एक अनुस्मारक साझा करते हुए कहा कि अमेरिका में किसी आगंतुक के रहने की अवधि उसके वीजा की समाप्ति तिथि के अनुसार नहीं होती है। ध्यान दें! किसी अंतरराष्ट्रीय पर्यटक को संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने की अनुमति की अवधि आगमन पर सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाती है, न कि वीजा की समाप्ति तिथि द्वारा। दूतावास ने इससे मात्र दो महीने पहले भी इसी तरह का अनुस्मारक जारी किया था। अमेरिका आने वाले अधिकांश यात्रियों के लिए अनिवार्य प–94 फॉर्म में श्प्रवेश की अंतिम तिथिश की जानकारी होती है। यह वह अंतिम तिथि दर्शाती है जब तक कोई व्यक्ति अमेरिकी धरती पर रह सकता है। यात्रियों को ध्यान देना चाहिए कि यह तिथि उनके वीज़ा की समाप्ति तिथि से मेल खाना आवश्यक नहीं है और सीमा पर पहुंचने पर सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा इसका निर्धारण किया जाएगा। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, हवाई अड्डे या बंदरगाह से अमेरिका पहुंचने वाले विदेशी आगंतुकों को सीमा शुल्क एवं सीमा पुलिस अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक आई–94 फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। इन व्यक्तियों को अब आई–94 के लिए आवेदन करने हेतु वेबसाइट का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, सड़क मार्ग या चुनिंदा नौकाओं द्वारा अमेरिका में प्रवेश करने वालों को अस्थायी आई–94 के लिए आवेदन करने हेतु वेबसाइट का उपयोग करना होगा, जिससे उन्हें बाद में प्रवेश द्वार पर समय बचाने में सहायता मिलेगी। गृह सुरक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि अमेरिकी नागरिकों, वापस लौटने वाले प्रवासी निवासियों, आप्रवासी वीजा धारकों और अधिकांश कनाडा के यात्रा करने वाले या पारगमन में रहने वाले नागरिकों को आई–94 फॉर्म की आवश्यकता नहीं है। अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा प्रक्रिया और नियमों पर लगातार और कड़ाई से ध्यान देना सीमा नियंत्रण पर ट्रंप की सख्त नीति के अनुरूप है, जिसे वे अमेरिका की सुरक्षा के रूप में देखते हैं। 79 वर्षीय राष्ट्रपति ने हाल ही में आतंकवाद, वीजा की अवधि से अधिक समय तक रहने और भ्रष्टाचार जैसे कारणों का हवाला देते हुए अफगानिस्तान और सीरिया सहित 19 देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष के अंत में अपने संबोधन में आप्रवासन को लेकर प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस में दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, "11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं।" ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, "विपरीत प्रवासन", महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, "मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।" हालांकि, ट्रंप ने इन संघर्षों का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने पूरे वर्ष यह दावा किया है कि उन्होंने भारत– पाकिस्तान, थाईलैंड– कंबोडिया, आर्मेनिया–अज़रबैजान, कोसोवो–सर्बिया, इजराइल– ईरान, मिस्र– इथियोपिया, और रवांडा– कांगो के बीच युद्ध रुकवाए। उन्होंने यह भी बताया कि उनके प्रशासन ने दुनिया भर से अमेरिका में आने वाले प्रवासियों से निपटने में सफलता हासिल की है, जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन रहे हैं और आवास खर्च बढ़ा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि आवास खर्च बढ़ने का एक प्रमुख कारण सीमा पर भीषण आक्रमण है। उन्होंने कहा, हमने कभी भी आक्रमण नहीं झेले हैं। यह सबसे खराब चीज है, और ईमानदारी से कहूं तो, मेरी राय में, जो सबसे खराब चीज बाइडन प्रशासन ने हमारे देश को दी है, वह सीमा पर आक्रमण है।" इसके अलावा ट्रंप ने कहा कि वह क्रिसमस के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को1,776 डॉलर धनराशि के बोनस चेक भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये भुगतान शुल्क निधि से किए जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 14.5 लाख सैनिक क्रिसमस से पहले यह धनराशि हासिल करेंगे और चेक जारी किए जा चुके हैं। ट्रंप ने ऐसे समय में सैनिकों को बोनस देने की घोषणा की है जब लाखों अमेरिकी लोग महंगाई के कारण खाद्य, आवास समेत विभिन्न चीजों के दाम बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

बेल्जियम की सुप्रीम कोर्ट से चोकसी की अपील खारिज, कहा-भारत में न्याय से इनकार का खतरा नहीं

पीएनबी घोटाले में वांछित मेहुल चोकसी को भारत लाने की राह अब साफ हो गई है। बेल्जियम की सबसे बड़ी अदालत बेल्जियम की कोर्ट ऑफ कैसेशन ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोक्सी द्वारा उठाई गई आपत्तियों को निराधार मानते हुए भारत को प्रत्यर्पण के खिलाफ उनकी अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने पुष्टि की है कि वे अपने आत्मसमर्पण की अनुमति देने वाले पूर्व आदेशों में हस्तक्षेप करने के लिए कोई कानूनी या तथ्यात्मक आधार स्थापित करने में विफल रहे हैं। अपने फैसले में बेल्जियम के सर्वोच्च

न्यायालय ने एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के अभियोग कक्ष के 17 अक्टूबर, 2025 के फैसले को बरकरार रखा और निष्कर्ष निकाला कि प्रत्यर्पण की कार्यवाही घरेलू कानून के साथ–साथ यूरोपीय मानवाधिकार मानकों का पूरी तरह से अनुपालन करती है। कोर्ट ने कहा कि भारत में चोकसी को न्याय से इनकार, यातना या अमानवीय व्यवहार का कोई वास्तविक और गंभीर खतरा नहीं है। कोर्ट ने चोकसी पर 11,000 रुपए (104 यूरो) का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की इंडाइटमेंट चौंबर के आदेश को बरकरार रखता है। इसमें कहा गया था कि चोकसी के दावे पर्याप्त नहीं हैं कि भारत में उसे न्याय नहीं मिलेगा या उसके साथ अमानवीय व्यवहार होगा। चोकसी ने अपनी अपील में एंटिगुआ से कथित अपहरण, इंटरपोल की फाइलों की निगरानी करने वाले आयोग (सीसीएफ) की राय, मीडिया कवरेज और भारत में निष्पक्ष सुनवाई न मिलने की आशंका जैसे तर्क दिए थे। लेकिन कोर्ट ने इन्हें खारिज कर दिया। चोकसी का यह भी आरोप था कि अभियोजक ने सीसीएफ की रिपोर्ट को एंटवर्प कोर्ट के सामने नहीं रखा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे भी मानने से इनकार कर दिया। सभी कानूनी औपचारिकताओं का विधिवत पालन किए जाने पर, कोर्ट ऑफ कैसेशन ने अपील खारिज कर दी और चोकसी को 104.01 यूरो का खर्च वहन करने का निर्देश दिया। चोकसी और उनके भतीजे नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक के खिलाफ लगभग 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी करने का आरोप है। केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय ने भारत में उनके खिलाफ कई आरोपपत्र दायर किए हैं, और इस मामले से संबंधित कई गैर–जमानती वारंट लंबित हैं।

चीन में भी छाया कोहरा, अरबों डॉलर और वर्षों की मेहनत के बावजूद खतरनाक हुआ वायु प्रदूषण

बीजिंग। गुरुवार को चीन में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे चीन के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब स्तर पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि चीन ने अरबों डॉलर खर्च कर और कई वर्षों की मेहनत के बाद वायु प्रदूषण की समस्या दूर की थी, लेकिन गुरुवार को चीन की इस पूरी मेहनत के बावजूद वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ा। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को देश के कुछ हिस्सों में भारी कोहरे के चलते येलो अलर्ट जारी किया, जिसमें कहा गया कि गुरुवार को हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगकिंग के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। चीन में वायु प्रदूषण और कोहरे की समस्या आजकल दुर्लभ है क्योंकि चीन की सरकार ने साल 2016 में वायु प्रदूषण दूर करने के लिए कई बड़े कदम उठाए थे। इसके तहत सरकार ने भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने और स्थानांतरित करने सहित कई कदम उठाए और इस काम पर अरबों डॉलर खर्च किए। अधिकारियों का कहना है कि शहर में सर्दियों में कोयले से चलने वाले हीटिंग सिस्टम की जगह प्राकृतिक गैस या इलेक्ट्रिक पब्लिक हीटिंग सिस्टम अपनाने से प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद मिली है। नई दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण संकट के चलते चीन के इस समस्या से निपटने के प्रयास इन दिनों सुर्खियों में रहे हैं, लेकिन गुरुवार को चीन की इस छवि को धक्का लगा, जब वहां भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब रही। चीन के पर्यावरण विभाग के प्रमुख चेन तियान ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में चीन ने पर्यावरण की दिशा में अहम सुधार किए हैं। इसके चलते बीजिंग में पक्षियों की आबादी भी बढ़ गई है और कई दुर्लभ पक्षी चीन में देखे जा सकते हैं।

अमेरिकी सेना का ड्रग तस्करों पर बड़ा हमला, चार कथित नार्को–आतंकवादी ढेर

वॉशिंगटन। अमेरिकी का नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। इस बीच अमेरिकी सेना ने बुधवार को पूर्वी प्रशांत महासागर से गुजर रहे एक जहाज पर हमला किया। इस हमले में चार कथित श्नारको–आतंकवादीश मारे गए। यह ऑपरेशन सदर्न स्पीयर का एक हिस्सा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए शुरू किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए अमेरिकी दक्षिणी कमान (जो लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में अमेरिका की सैन्य गतिविधियों की देखरेख करती है) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में लिखा श्17 दिसंबर को युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के निर्देश पर, संयुक्त टास्क फोर्स सदर्न स्पीयर ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नामित आतंकवादी संगठन द्वारा संचालित पोत पर घातक सैन्य हमला किया। खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि पोत पूर्वी प्रशांत महासागर में एक ज्ञात मादक पदार्थों की तस्करी मार्ग से गुजर रहा था और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस हमले में कुल चार पुरुष मादक पदार्थों के तस्कर मारे गए और अमेरिकी सेना का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी दक्षिणी कमान ने बताया कि उसने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित तीन जहाजों पर घातक हमले किए, जिसमें आठ कथित नार्को–आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा सीएनएन ने अमेरिकी दक्षिणी कमान के एक अलग बयान का हवाला देते हुए बताया कि इस महीने की शुरुआत में, 4 दिसंबर को अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक अन्य संदिग्ध मादक पदार्थों से भरे जहाज पर हमला किया, जिसमें जहाज पर सवार चार लोग मारे गए। अमेरिकी सेना के मुताबिक, अभियान शुरू होने के बाद से अब तक संदिग्ध ड्रग नौकाओं को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 95 लोग मारे गए हैं।

संक्षिप्त

अमेरिका ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियार बेचने की घोषणा की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका का यह कदम चीन को नाराज कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग

ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन के साथ व्यापार या अन्य मसलों पर कोई बात नहीं की। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

इमरान खान की बहनों, समर्थकों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पाकिस्तान पुलिस ने अडियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों और कई समर्थकों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत बुधवार को मामला दर्ज किया। जेल में बंद खान से मिलने के लिए उनके रिश्तेदारों और वकीलों को जेल प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद खान की बहनों और उनके पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जेल के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस के अनुसार खान की दो बहनों – अलीमा खान और नोरीन नियाजी के साथ–साथ पार्टी के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ रावलपिंडी के सदर बेरोनी थाने में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पहले धमकियां, फिर समन, वीजा केंद्र बंद, यूनुस की हरकत का भारत ने कर दिया तगड़ा इलाज

केंद्र सरकार ने 17 दिसंबर 2025 को नोटिस जारी करते हुए बांग्लादेश की राजधानी ढाका में इंडियन वीजा एप्लीकेशन सेंटर (आईवीएसी) बंद कर दिए हैं। यह फैसला बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच लिया गया है, जिसमें चरमपंथी तत्वों से खतरे और बांग्लादेशी नेताओं की उकसावे वाली टिप्पणियां शामिल हैं। भारत ने ढाका में अपने उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने नई दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्ला को तलब कर विरोध–पत्र (डेमार्श) सौंपा। भारत ने कहा, बांग्लादेश में उच्चायोग की सुरक्षा कट्टरपंथियों के निशाने पर है। उच्चायोग को लगातार धमकियां मिल रही हैं। बांग्लादेश की यूनुस सरकार इन पर रोक लगाने में विफल रही है। भारत ने ढाका के जमुना अपने सेंटर के आदेश दिए हैं। फिलहाल सेंटर को फिर से शुरू करने के बारे में कोई ऐलान नहीं किया गया है। दोपहर बाद कट्टरपंथी श्ओईके जुलाईश संगठन के युवाओं ने भारतीय उच्चायोग के पास प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। इससे पहले दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों की ओर से ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा, श्हम अंतरिम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह बांग्लादेश में स्थित मिशन और कार्यालयों की अपने कूटनीतिक दायित्वों के अनुरूप सुरक्षा सुनिश्चित करे।श बयान में कहा गया कि उच्चायुक्त को बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया। राष्ट्रीय नागरिक दल (एनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला ने भारत को खुली धमकी दी थी। 15 दिसंबर को एक रैली में उन्होंने कहा कि अगर बांग्लादेश को अस्थिर किया गया तो प्रतिरोध की आग सीमाओं के पार फैलेगी। वे भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को अलग करने और अलगाववादियों को पनाह देने की धमकी दे चुके हैं।

कनाडा से मुंह मोड़ रहे छात्र,यूनिवर्सिटी एप्लीकेशन में आई 80% तक की गिरावट

जुलाई और सितंबर के बीच कनाडा में जनसंख्या में कम से कम 80 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जनसंख्या में गिरावट का कारण अस्थायी निवासियों की संख्या में कमी, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में कमी को बताया गया है। कनाडा की सांख्यिकी एजेंसी (स्टैट्स कैनेडियन) द्वारा बुधवार को प्रकाशित जनसंख्या अनुमानों के अनुसार, 2025 की दूसरी और तीसरी तिमाही के बीच जनसंख्या में 76,068 व्यक्तियों की कमी आई, जो 0.2: है। 1946 से उपलब्ध स्टैट्स कैनेडियन के आंकड़ों के अनुसार, देश की जनसंख्या में इससे अधिक तीव्र गिरावट कभी नहीं देखी गई। कनाडा की जनसंख्या में आखिरी बार गिरावट कोविड–19 महामारी के दौरान आई थी, जब 2020 की अंतिम तिमाही में पिछली तीन महीनों की अवधि की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज की गई थी। वह गिरावट भी मामूली थी, केवल 1,232 लोगों की। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार द्वारा अपनाई गई आव्रजन नीतियों के कारण अस्थायी निवासियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।